केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 339 बुधवार 3 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

हाथरस सत्संग में भगदड़ से 122 मौतें, सैकड़ों गंभीर

हाथरस (आभा)। यूपी के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के दौरान भयानक भगदड़ में अब तक 107 लोगों की मौत हो गई है। आगरा जोन के एडीजी ने 122 लोगों की मौत की पुष्टि की है। सौ से ज्यादा लोग गंभीर हैं। मृतकों में महिलाएं ज्यादा हैं। कहा जा रहा है कि भोले बाबा के प्रवचन के दौरान भीड़ और गर्मी के कारण कुछ लोगों के बेहोश होकर गिरने के बाद अचानक से भगदड़ मच गई। इसमें सैकड़ों लोग गिरे तो बाकी लोग उन्हें कुचलते हुए भागने लगे। बेहोश लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। श्रद्धालुओं के शव एटा, हाथरस और अलीगढ़ भेजे गए हैं। घायलों का इलाज भी एटा, अलीगढ़ और हाथरस में चल रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख जताते हुए जांच का आदेश दिया है। आगरा जोन के एडीजी और अलीगढ़ कमिश्नर को जांच का काम दिया गया है। सीएम ने लखनऊ से मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, संदीप सिंह के साथ–साथ मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार को घटनास्थल पर तत्काल पहुंचने कहा है। योगी ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अधिकारियों को पीड़ित लोगों के इलाज का समुचित इंतजाम करने का आदेश दिया है।

बताया जाता है कि हाथरस के सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव फुलराई में भोले बाबा का प्रवचन चल रहा था। इसमें उम्मीद से ज्यादा भीड़ आ गई थी। एक अनुमान के अनुसार सवा लाख लोग पहुंच गए थे। इसी दौरान भीड़ और गर्मी के कारण लोग बेहोश होने लगे तो भगदड़ मच गई। सूचना पर पहुंचे पुलिस–प्रशासन के अफसरों ने सैकड़ों गंभीर लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

हादसे के बाद इतने घायल पहुंचे कि सरकारी अस्पताल में स्ट्रेचर भी कम पड़ गए। सीएचसी के बाहर लोगों को तड़पते देखा गया। हाथरस प्रशासन ने प्राइवेट अस्पतालों को भी अलर्ट कर दिया है। सभी से बेड रिजर्व रखने को कहा गया है। घायल को प्राइवेट अस्पताल भी ले जाया गया है। अस्पतालों में लोग अपने बिछुड़े लोगों को तलाशते नजर आये।

हाथरस में इतनी बड़ी संख्या में हुई मौत की खबर सुनकर हर व्यक्ति दहल गया है। चारों तरफ लाशें और चीत्कार के अलावा कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। सत्संग में हुई भगदड़ के बाद अब लोगों के मन में एक ही सवाल उठने लगा है कि आखिर वो भोले बाबा कौन हैं, जिनका प्रवचन सुनने के लिए इतनी भारी संख्या में श्रद्धालु हाथरस पहुंचे थे। बतादें कि भोले बाबा का ये सत्संग पश्चिमी यूपी के लोगों में ज्यादा विख्यात है। भोले बाबा का सत्संग अक्सर पश्चिम के जिलों में देखने को मिल जाता है, जिसमें बड़ी तादाद में श्रद्धालु पहुंचते हैं। भोले बाबा के आज लाखों की संख्या में अनुयायी हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भोले बाबा के नाम से प्रसिद्ध संत का असली नाम सूरज पाल है। अब उन्हें उनके अनुयायी विश्व हरि भोले बाबा के नाम से जानते हैं। भोले बाबा मूल रूप से कासगंज के पटियाली गांव के रहने वाले हैं। इन्होंने पटियाली में अपना आश्रम बनाया है। संत बनने से पहले भोले बाबा यूपी पुलिस की नौकरी करते थे। 18 साल पहले इन्होंने नौकरी करने के बाद वीआरएस ले लिया था। इसके बाद अपने गांव में झोपड़ी बनाकर रहने लगे। इसके बाद भोले बाबा ने गांव–गांव जाकर भगवान की भक्ति का प्रचार–प्रसार शुरू कर दिया। इस दौरान उसे खासा चंदा भी मिलने लगा, जिसके बाद जगह–जगह सत्संग का आयोजन करने लगा। देखते ही देखते भोले बाबा की पूरी लाइफ स्टाइल ही बदल गई। आज भोले बाबा के लाखों की संख्या में अनुयायी हैं। इनके जगह–जगह सत्संग के आयोजन होते रहते हैं, जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु प्रवचन सुनने के लिए पहुंचते हैं। नारायाण साकार हरि के नाम से प्रसिद्ध सूरज पाल उर्फ भोले दूसरे संतों से बिल्कुल अलग दिखते हैं।

पीएम मोदी का राहुल गांधी पर पलटवार, विपक्ष का हंगामा:कांग्रेस को यही जनादेश मिला है कि विपक्ष में बैठो

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिया। इस दौरान विपक्ष का शोर–शराबा भी चल रहा था। इसके साथ ही प्रश्न पत्र लीक होने, हवाई अड्डों की छतों के हिस्से गिरने और पुलों के ध्वस्त होने की घटनाओं को केंद्र की नरेन्द्र मोदी नीत सरकार की 'असलियत' करार देते हुए विपक्षी सदस्यों ने राज्यसभा और लोकसभा में मंगलवार को उस पर विपक्ष शासित राज्यों के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। हालांकि, सत्ता पक्ष ने इसे पूरी तरीके से खारिज कर दिया। वहीं, राज्यसभा के लिए केरल से निर्वाचित हुए तीन सदस्यों को मंगलवार को उच्च सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई गई। सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति जगदीप धनखड़ ने आईयूएमएल के सदस्य हारिस बीरन, केरल कांग्रेस (मणि) के सदस्य जोस के मणि तथा भाकपा सदस्य पी पी सुनीर को उच्च सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि झूठ फैलाने के बावजूद इंडिया ब्लॉक लोकसभा चुनाव हार गया। पीएम राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस और बिना नाम लिए राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में कांग्रेस के लिए भी इस देश की जनता ने जनादेश दिया है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस और उसका इकोसिस्टम दिन–रात हिंदुस्तान के नागरिकों के मन में ये प्रस्थापित करने की कोशिश कर रहा है कि उन्होंने हमें हरा दिया है। उन्होंने राहुल का बिना नाम लिए कहा कि ऐसा लग रहा है कि आजकल कांग्रेस में छोटे बच्चे का मन बहलाने का काम चल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश में आर्थिक अराजकता फैलाने की दिशा में सोची समझी चाल चल रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तीसरे कार्यकाल में हम तीन गुनी ताकत से मेहनत करेंगे, तीन गुना परिणाम देंगे। इसके साथ ही उन्होंने 370 के बहाने कांग्रेस पर वार किया। उन्होंने कहा कि हम तुष्टीकरण नहीं, संतुष्टीकरण के विचार को लेकर चले हैं।

राहुल गांधी के भाषण को लेकर मोदी ने कहा कि कल जो हुआ है, उसे गंभीरता से लिए बिना हम संसदीय लोकतंत्र कि रक्षा नहीं कर पाएंगे। अब बालक बुद्धि कहकर इन हरकतों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, इसके पीछे इरादे नेक नहीं, गंभीर खतरे के हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देशवासियों को गुमराह किया है। माताओं–बहनों को हर महीने 8500 रुपये देने का झूठ बोला, माताओं–बहनों के दिल को जो चोट लगी है, वह कांग्रेस को तबाह करने वाली है। उन्होंने कहा कि आज हिंदुओं पर झूठा आरोप लगाने की साजिश हो रही है, गंभीर षड्यंत्र हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नीट के मामले में देशभर में पहले ही गिरफ्तारियां की जा रही हैं। पेपर लीक को लेकर सरकार पहले ही एक कड़ा कानून बना चुकी है। परीक्षा को पुख्ता करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद बांसुरी स्वराज ने मंगलवार को लोकसभा में एक नोटिस दिया, जिसमें सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण में कथित गलतियों का उल्लेख किया गया है। स्वराज ने सदन में कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को अपने भाषण में कुछ ''गलत'' बयान दिए।

देश में 'अस्थिर सरकार और मजबूत विपक्ष' होने का दावा करते हुए तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'अहंकार, नफरत और बदले की भावना' ने उनकी लोकप्रियता को कम कर दिया है। बनर्जी ने कहा, ''हमने पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री से विपक्ष के लिए कभी कोई नम्रतापूर्ण या मीठे शब्द नहीं सुने। विपक्ष के प्रति उनका रवैया इतना द्वेषपूर्ण क्यों है?''

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में सकारात्मक राजनीति की जीत हुई और गत चार जून को सांप्रदायिक राजनीति से देश को आजादी मिली तथा 'सामुदायिक राजनीति' की शुरुआत हुई। उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि इस चुनाव ने विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') को भी जिम्मेदारी का पैगाम दिया है।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला मंत्री रमेश चौधरी पार्टी से निष्कासित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष ब्रह्मदेव यादव 'देवा' ने रमेश चौधरी जिला मन्त्री पिछड़ा मोर्चा को अनुशासनहीनता के कारण शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर भारतीय जनता पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष सहित अन्य पार्टी पदाधिकारियों को पत्र देकर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष ब्रह्मदेव यादव 'देवा' ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव में पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण यह निर्णय लिया गया है। रमेश चौधरी अब भारतीय जनता पार्टी का कोई पद, पहचान पत्र, या पार्टी का लेटर हेड प्रयोग नही कर सकेंगे। अगर इस तरह की कोई सूचना मिली तो पार्टी संविधान अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

जल जमाव से मुक्ति के लिये पालिकाध्यक्ष नेहा वर्मा ने रवाना किया नई मशीन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती– नगर पालिका परिषद बस्ती द्वारा नालों की साफ–सफाई के लिए अत्याधुनिक मशीन का नपा अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना।

विगत कई दिनों से बारिश हो रही है जिससे कई वार्डो में जल भराव की समस्या आ रही है। समस्या से निपटने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने पानी खीचने के लिए अत्याधुनिक मशीन को क्रय किया है जो सभी वार्डो में जाकर जलभराव की समस्या को दूर करेगी। इसके बावत जानकारी देते हुये नपा अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा ने बताया कि शासन के निर्देश पर बस्ती नगर पालिका का सर्वांगीण विकास कराया जा रहा है जिस भी संसाधन की आवश्यकता पड़ रही है उसको क्रय किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी के सहयोग से सुन्दर बस्ती व स्वच्छ बस्ती का संकल्प पूरा किया जा रहा है। केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा कई जन कल्याणकारी योजनाये चलायी जा रही है। और सभी को इसका लाभ दिलाया जा रहा है।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने बताया कि चरणबद्ध तरीके से वार्डो की समस्याओं का निस्तारण कराया जा रहा है और वार्ड वासियों को मूलभूत सुविधाऐं प्रदान की जा रही हैं। इस अवसर पर कर निर्धारण अधिकारी डॉ उदयभान, आशुतोष सिंह, रोहित पाण्डेय, गिरीश सिंह, राजीव शंकर श्री0, के साथ सभासद जगदीप श्रीवास्तव, मो0 इद्रीश, सुभाष श्रीवास्तव, अरविन्द सोनकर, दिनेश गुप्ता, जीवन चौधरी लारा, मो0 आमीर, अभिजीत सिंह, सचिन शुक्ला के साथ बड़ी संख्या में कर्मचारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अर्जुन महाराज जी के जयंती समारोह में नृत्यधाम के कलाकारों ने दिया प्रस्तुति

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। कल्चरल क्वेस्ट नृत्यधाम धाम बस्ती के कथक नृत्य कलाकारों के द्वारा कथक गुरु पंडित अर्जुन महाराज जयंती पर गुरु वंदना 'गुरुर ब्रह्मा गुरुर विष्णु गुरु देवो महेश्वरा और तराना के द्वारा श्रद्धांजलि दिया।

पंडित अर्जुन जी महाराज तथा गुरु सुरभि सिंह जी के शिष्य मास्टर शिव, एवम साथी कलाकार ऑशि, शालिनी,राजीव रंजन,आदित्य,जोत्सना शुक्ला, आदि ने संगीत नाट्य कला अकादमी लखनऊ में आयोजित पंडित अर्जुन महाराज जी की जयंती समारोह (अर्जुनांश) में गुरु सुरभि सिंह जी (कल्चरल क्वेस्ट गुरुकुल की संस्थापिका) के निर्देशन मे, आयोजित हुआ !

गायन में मोहम्मद आरिफ, तबले पर पंडित विकास मिश्रा, बांसुरी पर दीपेंद्र कुमार, और सारंगी पर मनीष मिश्रा, ने संगति की ।

इस मौके पर पंडित राम मोहन महाराज ,पूर्णिमा पाण्डेय, कुमकुम आदर्श ,गुलशन भारती ,पंडित धर्मनाथ मिश्र पंडित ,अर्जुन मिश्रा जी के पुत्र अनुज उपस्थित रहे।

याद किये गये डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

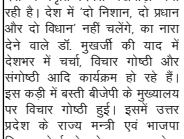

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में स्मृति दिवस पखवाड़ा मना रही है। देश में 'दो निशान, दो प्रधान और दो विधान' नहीं चलेंगे, का नारा देने वाले डॉ. मुखर्जी की याद में देशभर में चर्चा, विचार गोष्ठी और संगोष्ठी आदि कार्यक्रम हो रहे हैं। इस कड़ी में बस्ती बीजेपी के मुख्यालय पर विचार गोष्ठी हुई। इसमें उत्तर प्रदेश के राज्य मन्त्री एवं भाजपा पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र कश्यप बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने की।

इस दौरान राज्य मन्त्री नरेन्द्र कश्यप ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 के हटने से पहले और उसके बाद के हालातों पर विस्तार से चर्चा की।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि आज पूरा देश डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर प्रदेश से लेकर जिला और मंडल स्तर आदि सभी पर विचार गोष्ठी, संगोष्ठी और अन्य दूसरे कार्यक्रम आयोजित कर उनको याद कर रहा है। कार्यक्रम का संचालन अमृत कुमार वर्मा ने किया।

इस मौके पर पिछड़ा मोर्चा क्षेत्रीय शिवनाथ चौधरी, राजेश पाल चौधरी, पवन कसौधन, पवन कसौधन, यशकांत सिंह, राजेन्द्र गौड़, पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष ब्रह्मदेव यादव, रवि सोनकर, अंकुर वर्मा, दिलीप पाण्डेय, अनिल दुबे, पिन्टू, तिवारी, अरविन्द पाल, जटा शंकर शुक्ल, अभिषेक कुमार, श्रीश पाण्डेय, विजय गुप्ता, गजेंद्र सिंह, दिवाकर मिश्र, रवि तिवारी, गौरव अग्रवाल, सुजीत सोनी, राम चरन चौधरी, मनोज सिंह, आलोक पाण्डेय, आदि उपस्थित रहे।

चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ ने डीएम को बुके भेंटकर सौंपा स्वागत पत्र

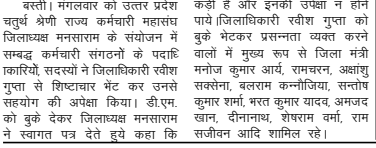

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ जिलाध्यक्ष मनसाराम के संयोजन में सम्बद्ध कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों, सदस्यों ने जिलाधिकारी रवीश गुप्ता से शिष्टाचार भेंट कर उनसे सहयोग की अपेक्षा किया। डी.एम. को बुके देकर जिलाध्यक्ष मनसाराम ने स्वागत पत्र देते हुये कहा कि चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महत्वपूर्ण कड़ी है और इनकी उपेक्षा न होने पाये।जिलाधिकारी रवीश गुप्ता को बुके भेटकर प्रसन्नता व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से जिला मंत्री मनोज कुमार आर्य, रामचरन, अक्षांशु सक्सेना, बलराम कन्नौजिया, सन्तोष कुमार शर्मा, भरत कुमार यादव, अमजद खान, दीनानाथ, शेषराम वर्मा, राम सजीवन आदि शामिल रहे।

जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर मुख्यमंत्री संदर्भ, जिलाधिकारी संदर्भ, तहसील दिवस संदर्भ सहित अन्य आनलाइन एवं आफलाइन संदर्भों के सापेक्ष प्राप्त, निस्तारित एवं लम्बित शिकायतों/प्रकरणों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ। उन्होने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमे किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारीगण आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करके आख्या /फोटोयुक्त रिपोर्ट को पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि आई.जी.आर.एस. पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समयावधि के अन्दर कर दिया जाय ताकि डिफाल्टर श्रेणी की स्थिति ना उत्पन्न होने पाये। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण प्रक्रिया के दौरान शिकायतकर्ता का पक्ष भी अवश्य सुना जाए और सदंर्भो के निस्तारण का परिणाम से भी शिकायतकर्ता को अवगत कराया जाए, क्योंकि शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही संदर्भो का निस्तारण का मूल लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में तैनात अथवा जांच/ कार्यस्थल का निरीक्षण करने वाले अधिकारी/कर्मचारी शिकायतकर्ता के साथ अच्छा व्यवहार करें, जिससे शिकायतकर्ता बेहिचक अपनी पूरी बात रख सके। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभागीय अधिकारी प्रतिदिन अनिवार्य रुप से आई.जी.आर.एस. पोर्टल को देखें तथा शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करते हुये अनिवार्य रूप पर से पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।

बैठक के अगले चरण में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने मिशन वात्सल्य, मिशन वात्सलय स्कीम, जिला बाल संरक्षण इकाई, मुख्यमंत्री बाल सेवा, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, बाल श्रम, बाल विवाह, मिशन शक्ति योजना एवं गौशाला, गोचर भूमि की गहन समीक्षा किया तथा इससे संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सीएस, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. आर.एस. दुबे, सीआरओ संजीव ओझा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शाहिद अहमद, उप जिलाधिकारी भानपुर आशुतोष तिवारी, डीपीआरओ रतन कुमार, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, ई–डिस्ट्रीक्ट मैनेजर सौरभ द्विवेदी, डीआईओ एनआईसी आलोक मिश्रा, पीओ डूडा सुनीता सिंह, डीएसओ सत्यवीर सिंह, उपायुक्त राज्य कर उपेन्द्र यादव, ईओ नगरपालिका सत्येन्द्र सिंह, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा. राजेश कुमार त्रिपाठी, तहसीलदार, समस्त बीडीओ सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

निपुण भारत मिशन की मण्डलीय गोष्ठी में पढाई को रूचिकर बनाने पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। निपुण भारत मिशन के लक्ष्य प्राप्त करने एवं संवेदीकरण हेतु एक दिवसीय गोष्ठी का आयोजन मंगलवार को सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक बस्ती मण्डल संजय कुमार शुक्ल के नेतृत्व में शहर स्थित एक होटल में किया गया। गोष्ठी में बस्ती और आजमगढ़ मण्डल के सभी जिलों के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी, सभी जिला समन्वयक और एसआरजी ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक बस्ती मण्डल ओम प्रकाश मिश्र ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। मुख्य अतिथि जेडी ओम प्रकाश मिश्र, एडी बेसिक आजमगढ़ मण्डल मनोज कुमार मिश्र, डीआईओएस जगदीश प्रसाद शुक्ल और राज्य परियोजना कार्यालय के अधिकारियों का स्वागत एडी बेसिक संजय कुमार शुक्ल के नेतृत्व में बुके, स्मृति चिन्ह और पुस्तक भेट करके किया गया। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि जेडी ओम प्रकाश मिश्र ने कहा कि हम सभी को मिलकर निपुण भारत मिशन के लक्ष्य को तय समय में हासिल करना है। इसके लिए पढ़ाई को रुचिकर बनाना जरूरी है। एडी बेसिक संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि निपुण भारत मिशन का लक्ष्य सही दिशा में मेहनत करने से ही प्राप्त किया जा सकता है। बेहतर परिणाम के लिए संगठित होकर प्रयास करना होगा। कहा कि आप सभी से अपेक्षा है कि इस गोष्ठी से बेहतर जानकारी लेकर अपने कार्य को धार देंगे। राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ के सचिन, राघव कात्याल, राजीव कुमार और धवल कीर्ति ने सत्र 2024– 25 में विद्यालयों को पूर्ण रूप से निपुण बनाने के लिए बेहतर टिप्स दिए। कहा कि दिसम्बर 2023 तक पूरे प्रदेश में 68352 विद्यालयों का मूल्यांकन किया गया जिसमें 16189 निपुण पाए गए। प्रदेश में 113 एआरपी ने अपने 8 विद्यालयों को और 2321 एआरपी ने अपने 2 विद्यालय निपुण किए। गोष्ठी में विद्यालयों की समय सारिणी, हमारे शिक्षक बोर्ड, निपुण से सम्बन्धित सूची और तालिका, संदर्शिका और संकुल बैठक आदि विषय पर विस्तृत चर्चा की गई और बेहतर ढंग से करने के तरीके भी बताए गए। जिला समन्वयक, बीईओ और एसआरजी के कार्य में आ रही समस्याओं का निराकरण भी राज्य परियोजना की टीम के अधिकारीयों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक डॉ सर्वेष्ट कुमार मिश्र ने किया।

इस अवसर पर बीएसए बस्ती अनूप कुमार तिवारी, बीएसए संतकबीरनगर अमित कुमार सिंह, बीएसए मऊ सन्तोष उपाध्याय, बीएसए बलिया मनीष सिंह, बीएसए आजमगढ़ राजीव पाठक, बीईओ नीरज सिंह, विनोद उपाध्याय, बड़कऊ वर्मा, विजय आनंद, ममता सिंह, मण्डल समन्वयक मिथिलेश श्रीवास्तव, जिला समन्वयक सुनील त्रिपाठी, अमित मिश्र, अमित सोनी, अनिल कुमार पाण्डेय, रवीश कुमार मिश्र, नेहा पाण्डेय, दीपिका श्रीवास्तव, तोशी द्विवेदी, परणिता सिंह, मधुलिका सिंह, चित्रा शुक्ला, प्रतिभा द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

-लक्ष्य हासिल करने के लिए रुचिकर पढ़ाई जरूरी - जेडी
-सही दिशा में मेहनत से प्राप्त होगा निपुण लक्ष्य - एडी बेसिक

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 जुलाई 2024 बुधवार

सम्पादकीय

नये कानूनों के क्रियान्वयन की चुनौती

निश्चित रूप से किसी भी कानून का मकसद नागरिकों के जीवन,स्वतंत्रता, संपत्ति व अधिकारों की रक्षा करना ही होता है। जिससे किसी सभ्य समाज में न्याय की अवधारणा पुष्ट हो सके। कानून समाज के व्यापक अनुभवों व जरूरतों के अनुरूप स्वरूप ग्रहण करते हैं। ऐसे में एक जुलाई से पूरे देश में लागू हुई भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य संहिता को लेकर उम्मीद करनी चाहिए कि यह बदलाव न्याय की कसौटी पर खरा उतरे। उल्लेखनीय है कि बदलाव से जुड़े विधेयक बीते साल संसद में पारित किये गए थे। सार्वजनिक विमर्श में अकसर यह बात सामने आती रही है कि औपनिवेशिक सत्ता को मजबूत करने के लिये जो कानून अंग्रेजों ने बनाये थे, क्या उन्हें स्वतंत्र भारत में सात दशक बाद भी लागू रहना चाहिए? इस बाबत समय–समय पर शीर्ष अदालत की टिप्पणियां व मार्गदर्शन भी सामने आए हैं। कहा जाता रहा है कि सांस्कृतिक, धार्मिक व भौगोलिक विविधता वाले देश के लिये बनाये गये कानूनों को व्यापक सार्वजनिक विमर्श के बाद ही लागू किया जाना चाहिए था। ऐसे सवाल इन कानूनों को बनाते समय संसद में बहस की अवधि और विपक्ष के एक बड़े हिस्से के सदन से बाहर रहने को लेकर उठाये जाते रहे हैं। कानूनी विशेषज्ञ कहते रहे हैं कि देश की न्याय व्यवस्था को बदलने वाले कानूनों पर पर्याप्त बहस जरूरी होती है। यही वजह है कि कुछ गैर–बीजेपी शासित राज्यों की तरफ से विरोध के स्वर भी सुनायी दिए। इस बाबत कहा जा रहा है कि केंद्र के अधिकारियों का कहना है कि राज्य सरकारें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में अपनी ओर से संशोधन के लिये स्वतंत्र हैं। मगर एक हकीकत है कि सोमवार से देश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम– भारतीय दंड सहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 का स्थान ले चुके हैं।

वहीं केंद्र सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि जहां ब्रिटिश काल में बने कानूनों का मकसद दंड देना था, वहीं नये कानूनों का मकसद नागरिकों को न्याय देना है। मौजूदा चुनौतियों व जरूरतों के हिसाब से कानूनों को बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय न्याय संहिता में विवाह का प्रलोभन देकर छल के मामले में दस साल की सजा, किसी भी आधार पर मॉब लिंचिंग के मामले में आजीवन कारावास की सजा, लूटपाट व गिरोहबंदी के मामले में तीन साल की सजा का प्रावधान है। आतंकवाद पर नियंत्रण के लिये भी कानून है। किसी अपराध के मामले में तीन दिन में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी तथा सुनवाई के बाद 45 दिन में फैसला देने की समय सीमा निर्धारित की गई है। वहीं प्राथमिकी अपराध व अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम के जरिये दर्ज की जाएगी। व्यवस्था की गई है कि लोग थाने जाए बिना भी ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कर सकें। साथ ही जीरो प्राथमिकी किसी भी थाने में दर्ज की जा सकेगी। लेकिन कानून के जानकार पुलिस रिमांड की अवधि बढ़ाने पर चिंता जता रहे हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था के अनुरूप राजद्रोह कानून को तो हटा दिया गया है लेकिन राष्ट्रीय एकता, अखंडता व संप्रभुता के अतिक्रमण को नये अपराधों की श्रेणी में रखा गया है। संगठित अपराधों के लिये तीन साल की सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही अपराध की जांच–पड़ताल को आधुनिक तकनीक के जरिये न्यायसंगत बनाने का प्रयास किया गया है। जिसमें फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाना भी अनिवार्य है ताकि अपराधी संदेह का लाभ न उठा सकें। दूसरी ओर सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल अपराध नियंत्रण में बढ़ेगा। नये कानून के अनुसार मौत की सजा पाये अपराधी को खुद ही दया याचिका दायर करनी होगी, कोई संगठन या व्यक्ति ऐसा न कर सकेगा। दूसरी ओर कुछ कानून के जानकार नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से उत्पन्न कई न्यायिक परेशानियों के सामने आने की बात कह रहे हैं। वे नये प्रावधानों पर गंभीर विचार–विमर्श की जरूरत बताते हैं। तो कुछ लोग अभिव्यक्ति के अतिक्रमण की बात कर रहे हैं। सवाल उठाये जा रहे हैं कि इन कानूनों के लागू होने से पहले हुए अपराधों की न्याय प्रक्रिया में विसंगति पैदा हो सकती है।

सत्ता के लिये संतुलन साधने की चुनौती

– कमलेश पाण्डेय–

पिछड़ेपन, ज्यादा आदिवासी आबादी और कम राजस्व का हवाला देकर उपरोक्त राज्य लंबे समय से अपने लिए विशेष दर्जे की मांग करते आये हैं। हालांकि 14वां वित्त आयोग केंद्र सरकार को काफी पहले ही यह सलाह दे चुका है कि इस कैटिगरी में अब किसी राज्य को नहीं जोड़ा जाए। अपने देश में कई राज्य ऐसे हैं जो स्पेशल स्टेटस या स्पेशल पैकेज की मांग केंद्र सरकार से करते आये हैं, लेकिन यह दर्जा या सुविधा इन्हें कबतक मिलेगी, निश्चित रूप से कुछ कहा नहीं जा सकता है। हां, इतना जरूर है कि बिहार, आंध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना जैसे राज्य समय–समय पर अपने लिए विशेष दर्जे या विशेष पैकेज की मांग करते रहे हैं, जो स्वाभाविक भी है।

बताया जाता है कि पिछड़ेपन, ज्यादा आदिवासी आबादी और कम राजस्व का हवाला देकर उपरोक्त राज्य लंबे समय से अपने लिए विशेष दर्जे (स्पेशल स्टेटस) की मांग करते आये हैं। हालांकि 14वां वित्त आयोग केंद्र सरकार को काफी पहले ही यह सलाह दे चुका है कि इस कैटिगरी में अब किसी राज्य को नहीं जोड़ा जाए। यही वजह है कि कुछ राज्यों ने अब अपने सुर बदल लिए हैं और विशेष दर्जे की जगह विशेष पैकेज की मांग करने लगे हैं।

समझा जाता है कि भले ही पिछली कार्यकाल तक बीजेपी की नरेंद्र मोदी सरकार 14वें वित्त आयोग का हवाला देकर इस मांग को ठुकरा रही थी, लेकिन अब वह आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ टीडीपी और बिहार में काबिज जेडीयू के समर्थन पर टिकी हुई है, इसलिए अब मोदी सरकार भी अपने पुराने रूख पर कायम रह पाएगी, ऐसा मुझे नहीं लगता। हां, इस मांग में इतना बदलाव जरूर दृष्टिगोचर हो रहा है कि अब बिहार और आंध्रप्रदेश जैसे राज्य विशेष दर्जे की जगह विशेष पैकेज की मांग करने लगे हैं, जिससे इंकार करने की कोई वजह भी किसी नहीं दिखती।

दरअसल, विशेष राज्य का दर्जा देने का किस्सा आजादी के बाद के दूसरे दशक में शुरू हुआ, जब केंद्र सरकार ने महसूस किया कि विकास की दौड़ में पिछड़ रहे कुछ राज्यों को सहारा देना होगा। इसके दृष्टिगत योजना आयोग के उपाध्यक्ष डी आर गाडगिल के फार्मूले पर विशेष राज्य का दर्जा यानी स्पेशल कैटिगरी स्टेटस की व्यवस्था की गई। जिसमें पहाड़ी राज्यों, ज्यादा आदिवासी आबादी वाले राज्यों, सीमावर्ती राज्यों, आर्थिक और बुनियादी ढांचे के लिहाज से पिछड़े राज्यों और ऐसे राज्यों पर विचार किया गया, जो अपने लिए पर्याप्त राजस्व की व्यवस्था न कर पाते हों।

इस दृष्टिकोण से प्रारंभ में जम्मू–कश्मीर, असम और नागालैंड को दर्जा मिला। यद्यपि बाद में इसकी सूची बढ़ती गई और अब उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश सहित 11 राज्य इस सूची में शामिल किए जा चुके हैं। बताया जाता है कि विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त करने वाले राज्यों को केंद्र सरकार से ज्यादा वित्तीय मदद मिलती है। ऐसे राज्यों को केंद्रीय योजनाओं के लिए 90 प्रतिशत फंड केंद्र सरकार देती है और 10 प्रतिशत फंड की राज्य सरकार को देनी होती है, यानी 90रू10 का अनुपात। जबकि दूसरे राज्यों में यह अनुपात 60रू40 का होता है।

वहीं, विशेष दर्जे वाले राज्यों को कुछ योजनाओं में अलग से भी मदद मिलती है। यही वजह है कि 14वें वित्त आयोग (फाइनेंस कमीशन) ने विशेष राज्य का दर्जा वाली सूची में अब और अधिक राज्यों को न जोड़ने की सलाह दी थी। हालांकि अब एनडीए गठबंधन के दबाव के मद्देनजर मोदी सरकार स्पेशल पैकेज के जरिए बीच का रास्ता निकाल सकती है। इसकी वजह ये है कि अब बिहार की जेडीयू ने अपने प्रस्ताव में स्पेशल स्टेटस या स्पेशल पैकेज की बात कर इसका संकेत दे दिया है। वहीं, आंध्रप्रदेश की टीडीपी भी स्पेशल स्टेटस के बजाय स्पेशल पैकेज पर फोकस कर रही है, क्योंकि चुनावी वायदे को पूरे करने के लिए उसे जल्द ही बड़ी रकम की जरूरत है।

इधर, आर्थिक मामले के जानकारों का कहना है कि सामाजिक–आर्थिक विकास के पैमाने पर बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा की मांग जायज है। जबकि आंध्र प्रदेश पिछड़ा नहीं है। यह बात दीगर है कि आंध्रप्रदेश को सबसे ज्यादा राजस्व हैदराबाद से मिलता था और वह उसके हाथ से चला गया। इसलिए उसे विशेष राज्य का दर्जा की जरूरत है। उधर, आंध्रप्रदेश के विभाजन से बना तेलंगाना राज्य को मदद की जरूरत ज्यादा है।

वहीं, बिहार के बारे में दलील दी जा रही है कि पिछले 3 दशकों से वहां का गवर्नेंस ठीक नहीं है। इसलिए जब तक गवर्नेंस ठीक नहीं होगा, विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज देने से बात नहीं बनने वाली है। इसलिए केंद्र सरकार भी पशोपेश में है। वह इस बात को समझ रही है कि यदि इन राज्यों को विशेष पैकेज के नाम पर मदद दे दी जाए तो उस पर अधिक वित्तीय बोझ नहीं आएगा, क्योंकि टैक्स रेवेन्यू रिकॉर्ड तेज रफ्तार से बढ़ रहा है।

वैसे भी कोई राज्य पिछड़ रहा हो तो उसकी मदद की जिम्मेदारी केंद्र की है, क्योंकि वह सबका अभिभावक है। हां, इतना जरूर है कि 21वीं सदी के अनुरूप इस आशय का वह एक नया मानक बनाये और उसी के तहत जरूरतमंद राज्यों की मदद करे। अन्यथा अन्य राज्यों में भी यह मांग उठेगी, जिससे केंद्र सरकार की परेशानी बढ़ेगी। ऐसा इसलिए कि केंद्र में गठबंधन सरकार का युग वापस लौट चुका है और अब हर राज्य अपने संसदीय संख्याबल के हिसाब से केंद्र की बांहें मरोड़ने की तैयारी करते हुए प्रतीत हो रहे हैं, जिससे सचेत रहने की जरूरत है।–लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक हैं

संविधान, राजनीति और समाज

–मोहन लाल–

देश भर में आज संविधान को लेकर सभी राजनीतिक दल हल्ला–गुल्ला कर रहे हैं परंतु देश के सामने जो वास्तविक चुनौतियां हैं उन्हें राजनेता गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। 1980 से अब तक भारत की ही एक स्टेट जम्मू–कश्मीर आतंकवाद की भट्ठी में जल रही है। रक्त बीज की तरह वहां आतंकवादी लोगों की जानें ले रहे हैं और फिर उतने ही पैदा हो रहे हैं। कौन गंभीर है इस ओर दो टूक फैसला होना चाहिए। मोदी साहिब सर्व शक्तिमान हैं। जम्मू–कश्मीर के इस चौलेंज को स्वीकार करें। नाहक पुलिस और फौजियों को शहीद करवा रहे हैं। आर–पार हो जाना चाहिए।

गृह मंत्री अमित शाह तभी राजनीति के चाणक्य कहलवाने के योग्य होंगे यदि छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले को नक्सल मुक्त करवाएंगे। व्यर्थ चाणक्य कहलाने का क्या लाभ। मणिपुर साल भर से खूनी खेल खेल रहा है, चाणक्य नीति बार–बार वहां फेल क्यों हो रही है? क्या मणिपुर भारत का हिस्सा नहीं? चौथी चुनौती आसमान छूती महंगाई पर सरकार चुप क्यों है? आवश्यक वस्तुओं के दाम साधारण व्यक्ति के हाथ से छूट रहे हैं। और राजनेता संविधान के मुद्दे को व्यर्थ उछाल रहे हैं। पक्ष–प्रतिपक्ष संघ प्रमुख मोहन भागवत के उद्घोषण पर अमल करें। संविधान को कुछ नहीं होगा। जून 1975 को संविधान को छेड़ कर तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देख लिया। भारत की जनता को एक–एक चीज 50 वर्ष पहले की याद है। कृपया राजनीतिक दल जनता का ध्यान मत भटकाएं। भारत के लोगों की उपरोक्त इक्षवताओं पर सभी राजनेता एकमत से इक्षचतन करें। चुनौतियों का निधान निकालें।

भारत के संवैधानिक इतिहास में 26 नवम्बर 1949 का दिन महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन संविधान सभा ने भारतीय लोगों के नाम पर स्वतंत्र भारत का संविधान अर्पित किया। संविधान वह संवैधानिक पुस्तक है जिसके द्वारा लोगों ने अपनी सरकारें और प्रशासन अपने ढंग से चलाने का संकल्प लिया। भारत के लोगों ने लोकतंत्र की सारी शक्तियां अपने ऊपर ले लीं। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सारी शक्तियां जनता के हाथ आ गईं। संसद में और विधानसभाओं में जनमत का प्रतिनिधित्व भारत के लोगों के हाथ आ गया। नगर निगमों, नगर पालिकाओं और पंचायतों का प्रशासन भारत के लोगों ने स्वयं संभाल लिया। केंद्र से लेकर स्थानीय स्तर तक लोकराज स्थापित हो गया। लोगों को अपनी इच्छानुसार सरकारें चुनने का अधिकार प्राप्त हो गया। संविधान एक ऐसा दस्तावेज है जिसकी सारथी भारत की जनता है। इस संविधान को लोगों पर किसी सरकार या राजनेता ने नहीं लादा बल्कि भारत की जनता ने स्वयं अपने आपको अर्पित किया क्योंकि जन कल्याण इसी में है। भारत एक लोक कल्याणकारी राष्ट्र है।

इस संविधान को कोई डिक्टेटर, कोई तानाशाह या सेना का कोई भी अफसर बदल नहीं सकता। इस संविधान के मौलिक प्रावधानों को बदला नहीं जा सकता। हां कोई सरकार संसद में दो तिहाई मत प्राप्त कर ले तो इसमें कुछ संशोधन हो सकते हैं परंतु मूल संवैधानिक ढांचे को बदला तब भी नहीं जा सकता। भारत एक लोकतांत्रिक सर्व सत्ता सम्पन्न, सार्वभौमिक गणाय्य है। इसमें भारत के लोगों के मौलिक अधिकार निहित हैं। उन मौलिक अधिकारों को कोई छीन नहीं सकता। हां संविधान में संशोधन कर इसमें भारत के लोगों के कुछ कर्त्तव्य अवश्य डाल दिए गए हैं। हां यह भी सत्य है कि आज से 50 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपनी गद्दी बचाने के लिए संविधान से आपातकाल घोषित कर 25 जून,1975 को इससे छेड़छाड़ जरूर की थी परंतु 21 महीनों के इस आपातकाल से इंदिरा जी को कुछ हासिल नहीं हुआ। उलटा उनकी गद्दी जाती रही। वर्तमान समय में संसद के प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी अवश्य अपनी दादी के कार्य से क्षुब्ध तो जरूर होंगे। तब देश जेलखाना बन गया था। प्रैस का गला घोंट दिया गया था।

अतः कम से कम राहुल गांधी तो संविधान बदलने का हौवा खड़ा न करें। भारत का संविधान भारत के लोगों के लिए, उनके अधिकारों के लिए एक सुरक्षा कवच है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इसी संविधान को बदलने का एक भय इंडिया गठबंधन ने लोगों के मनों में बिठा दिया। इसका मोदी–अमित शाह की जोड़ी को नुकसान भी हुआ। इस जोड़ी के '400 पार' के नारे ने संविधान बदलने की भावनाओं की हवा निकाल दी। सरकार वही चलेगी जो जनमत का और संविधान का सत्कार करेगी। सरकार वही बनेगी जो लोगों की इच्छाओं का सम्मान करेगी। अन्यथा पांच साल के अंतराल के बाद बदल देगी।

संविधान सभी भारतीय नागरिकों को समान न्याय के अवसर प्रदान करता है। धर्म, सम्प्रदाय, लिंग, रंग–रूप, वेषभूषा, जात–पात, स्टेटस, स्त्री–पुरुष का भेद न्याय के सामने नहीं चलेगा। न्याय पाना सबका अधिकार है। सब कानून के अधीन रह कर चलेंगे। मानव संसाधनों पर सभी भारत वासियों का समान अधिकार रहेगा। भारत एक कल्याणकारी राज्य है। सरकारों का मुख्य उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होता है। भारत में रंग, जाति, सम्प्रदाय, वर्ग या पहनावे पर किसी को प्रताडित नहीं किया जाएगा। यह सरकारों द्वारा मुफ्त बिजली, पानी, राशन गरीबों तक पहुंचाना कल्याणकारी राज्य की पहचान है। परस्पर स्नेह, प्यार और भाईचारा बना कर रखना जनता का मौलिक कर्त्तव्य है। अपराधी को दंड मिले, बेकसूर को पूरा न्याय मिले। यह सरकार की ड्यूटी है। प्रत्येक नागरिक को राजनीति में या समाज में ऊंचे से ऊंचा पद पाने का अधिकार है। नौकरी में सब लोगों को समान अवसर प्राप्त हों।

संविधान सभी भारतीय नागरिकों को समान न्याय के अवसर प्रदान करता है। धर्म, सम्प्रदाय, लिंग, रंग–रूप, वेषभूषा, जात–पात, स्टेटस, स्त्री–पुरुष का भेद न्याय के सामने नहीं चलेगा। न्याय पाना सबका अधिकार है। सब कानून के अधीन रह कर चलेंगे। मानव संसाधनों पर सभी भारत वासियों का समान अधिकार रहेगा। भारत एक कल्याणकारी राज्य है। सरकारों का मुख्य उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होता है। भारत में रंग, जाति, सम्प्रदाय, वर्ग या पहनावे पर किसी को प्रताडित नहीं किया जाएगा। यह सरकारों द्वारा मुफ्त बिजली, पानी, राशन गरीबों तक पहुंचाना कल्याणकारी राज्य की पहचान है। परस्पर स्नेह, प्यार और भाईचारा बना कर रखना जनता का मौलिक कर्त्तव्य है। अपराधी को दंड मिले, बेकसूर को पूरा न्याय मिले। यह सरकार की ड्यूटी है। प्रत्येक नागरिक को राजनीति में या समाज में ऊंचे से ऊंचा पद पाने का अधिकार है। नौकरी में सब लोगों को समान अवसर प्राप्त हों।

ताकत बनकर उभरी सपा की साईकिल

–नीरज कुमार दुबे–

जिन अखिलेश पर समाजवादी पार्टी को मनमाने ढंग से चलाने का आरोप लगता था, उन अखिलेश ने सबको साथ लेकर चलना शुरू किया तो सफलता कदम चूमने लगी। यही नहीं, गठबंधन धर्म का पालन करते हुए अखिलेश यादव ने उदार दिल दिखाया और कांग्रेस को उसकी हैसियत से ज्यादा सीटें दीं।समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन उनकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाया। विभिन्न दलों के नेता भी अखिलेश यादव को जन्मदिन पर बधाइयां दे रहे हैं। अखिलेश यादव के लिए इस बार का जन्मदिन बेहद खास है इसलिए वह बहुत खुश नजर आ रहे हैं। दरअसल इस बार के लोकसभा चुनावों में मैन ऑफ द मैच बनकर उभरे अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी को लोकसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनवा कर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित कर दी है। संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद समाजवादी पार्टी पहली बार पूरी तरह अखिलेश यादव की नीतियों और नेतृत्व में चुनावी मैदान में उतरी थी और उसने बड़ी कामयाबी हासिल की। लोकसभा चुनावों में अखिलेश यादव अपने परिवार के सदस्यों को तो चुनाव जितवाने में सफल रहे ही साथ ही पार्टी को एकजुट कर उन्होंने जिस तरह से हर वर्ग का समर्थन हासिल किया वह अभूतपूर्व था।

देखा जाये तो कुछ समय पहले तक चाचा शिवपाल सिंह यादव जैसे अपने लोगों के अलावा बाहरी लोग भी अखिलेश यादव को महत्व नहीं दे रहे थे। याद कीजिये मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान जब अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के लिए कांग्रेस से कुछ सीटें मांगी थीं तो कमलनाथ ने कहा था– कौन अखिलेश वखिलेश। लेकिन जब मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार हुई तो उसके सुर एकदम से बदल गये और राहुल गांधी सपा मुखिया अखिलेश यादव के साथ नजर आने लगे। यही नहीं, पिछले साल मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव से पहले अखिलेश ने जिस तरह चाचा शिवपाल सिंह यादव को साथ लेकर पूरे परिवार को एकजुट किया उससे भी उनकी कामयाबी की राह आसान हुई।

जिन अखिलेश यादव पर समाजवादी पार्टी को मनमाने ढंग से चलाने का आरोप लगता था, उन अखिलेश यादव ने सबको साथ लेकर चलना शुरू किया तो सफलता कदम चूमने लगी। यही नहीं, गठबंधन धर्म का पालन करते हुए अखिलेश यादव ने उदार दिल दिखाया और कांग्रेस को उसकी हैसियत से ज्यादा सीटें दीं। साथ ही राष्ट्रीय लोकदल के लिए भी सात सीटें छोड़ दीं। लोकसभा चुनावों से ठीक पहले जब जयंत चौधरी एनडीए के साथ चले गये तब भी अखिलेश यादव निराश नहीं हुए क्योंकि उन्होंने जो सोशल इंजीनियरिंग की थी उसकी सफलता पर उन्हें पूरा भरोसा था। जब चुनाव परिणाम आये तो उन लोगों के चेहरों की हवाइयां उड़ गयीं जो अखिलेश यादव के पीडीए का मजाक उड़ाते थे।

लोकसभा चुनाव परिणामों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी को सिर्फ इसलिए वोट नहीं मिले हैं क्योंकि जनता मोदी और योगी सरकार से नाराज थी। अखिलेश यादव को वोट इसलिए भी मिले हैं क्योंकि जनता उनकी नीतियों से प्रभावित थी। अखिलेश यादव को वोट इसलिए भी मिले हैं क्योंकि मुस्लिमों का पूरा समर्थन उनके साथ आ गया है। भले आजम खान या कोई और मुस्लिम नेता अखिलेश यादव से नाराज दिखा लेकिन आम मुस्लिम अखिलेश यादव के समर्थन में खड़ा नजर आया। अखिलेश यादव को वोट इसलिए भी मिले हैं क्योंकि दलित, ओबीसी या पिछड़े वर्ग का ही नहीं बल्कि सवर्णों का भी अच्छा खासा समर्थन समाजवादी पार्टी को मिला है। लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश का जो परिणाम आया है वह दर्शा रहा है कि जनता ने सिर्फ भाजपा को सबक नहीं सिखाया है बल्कि अखिलेश यादव को सिर आंखों पर भी बैठाया है। जो लोग अखिलेश यादव पर आरोप लगा रहे थे कि वह सनातन धर्म का अपमान करने वालों को बढ़ावा दे रहे हैं उन लोगों को अखिलेश यादव ने अयोध्या की संसदीय सीट जीतकर दिखा दिया। जब राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने का निमंत्रण अखिलेश यादव ने ठुकराया था तो भाजपा का कहना था कि जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं, लेकिन अयोध्या–फैजाबाद की जनता ने अखिलेश यादव की पार्टी को जिताकर भाजपा के आरोपों को खारिज कर दिया और संदेश दिया कि जो काम का है उसे ही जनता पसंद करती है।

यही नहीं, जब लोकसभा चुनावों के बीच में ही अखिलेश यादव बार–बार कई संसदीय सीटों पर अपने प्रत्याशी बदल रहे थे तो उन्हें नौसिखिया तक करार दिया जा रहा था। लेकिन चुनाव परिणाम दर्शा रहे हैं कि अखिलेश के वह सभी फैसले सही सिद्ध हुए। देखा जाये तो पूरे चुनावों के दौरान सपा मुखिया ने जिस तरह अपने गठबंधन के बीच सामंजस्य बनाये रखा, चुनाव के हर चरण के लिए नई नीति अपनाई, अपनी पार्टी को एकजुट रखा, कार्यकर्ताओं को निचले स्तर तक सक्रिय किया, सोशल मीडिया के जरिये अपने चुनाव अभियान को आगे बढ़ाया, जनता के बीच अपने घोषणापत्र की बातों को पहुँचाया और भाजपा को त्वरित तथा तगड़ा जवाब दिया उससे अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की राजनीति के नये स्टार के रूप में उभरे हैं।

बंटवारे के विवाद में भाई ने भाई को लाठी-डंडे से पीट कर मार डाला

संवाददाता–देवरिया। जिले के सुरौली थाना क्षेत्र में सोमवार की देर रात बंटवारे के विवाद में एक भाई ने सगे भाई की लाठी डंडे से पीट कर हत्या कर दी। घटना के बाद से आरोपी फरार हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज छानबीन में जुटी हुई है। मामले में आरोपी के खिलाफ पुलिस ने हत्या का केस धारा 103(1) बीएनएस के तहत दर्ज किया है।

सुरौली थाना क्षेत्र के बरडीहा अली गांव के रहने वाले मोहन कनौजिया (40) पुत्र तीतल कनौजिया पांच भाई थे। तीन भाई अलग मकान में बनवाकर रहते हैं जबकि दो भाई मोहन कनौजिया और विजय कनौजिया एक ही मकान में रहते हैं। बंटवारे की बात को लेकर मोहन कनौजिया और विजय कनौजिया के बीच सोमवार की रात करीब 11रू00 बजे कहासुनी के बाद मारपीट होने लगी। उसी दौरान विजय कनौजिया लाठी डंडे के साथ मोहन कनौजिया पर टूट पड़ा। मारपीट में मोहन कनौजिया के सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी भाई विजय कनौजिया फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। घटना के बाद मोहन कनौजिया के घर में कोहराम मचा हुआ है। पत्नी रंजना देवी, मां सैनी, बेटी गुंजा(18), पूजा (16) , पायल (14) , देविका(10) , सृष्टि (8) और बेटे किशन (12) , कृष्णा (5) का रो–रोकर बुरा हाल है। सीओ आदित्य गौतम ने बताया कि मामले में केस दर्ज करते हुए विधिक कार्रवाई की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

जलस्तर बढ़ने से राप्ती की कटान तेज हुई

संवाददाता–बलरामपुर। राप्ती नदी के चेतावनी बिन्दु के करीब पहुंचने से तटवर्ती गांवों में किसान भयभीत हैं। राप्ती नदी 103.10 मीटर पर बह रही है। जलस्तर बढ़ने के साथ ही नदी ने तेजी से कटान शुरू कर दी है। तटवर्ती के एक दर्जन से अधिक गांव के समीप राप्ती नदी कटान कर रही है। हर्रैया थाना क्षेत्र के तीन पहाड़ी नालों में ऊफान है। दर्जन भर गांव नाला कटान की जद में हैं। खरझार नाला तटंबध पर हो रहे कटान का जायजा तहसीलदार तुलसीपुर ने लिया है। कटान को रोकने के लिए प्रशासन की ओर से अब तक कोई समुचित उपाय नहीं किए गए हैं।

नेपाल में हो रही रुक–रुककर वर्षा का असर जिले में देखने को मिल रहा है। राप्ती नदी का जलस्तर सोमवार शाम से बढ़ना शुरू हुआ है। मंगलवार दिन में तीन बजे तक नदी चेतावनी बिन्दु के समीप बह रही थी। सिसई घाट स्थित केन्द्रीय पूर्वानुमान के मुताबिक पड़ोसी जनपद श्रावस्ती में नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जो बुधवार सुबह तक जिले में भी पहुंचने की संभावना है। जलस्तर बढ़ने के साथ ही जिले में बाढ़ की संभावना पैदा हो गयी है। वहीं नदी ने तटवर्ती गांव के समीप कटान करना शुरू कर दिया है। सदर तहसील के ग्राम टेंगनहिया मानकोट, झौहना, गुलामपुरवा, जमालीजोत, ढोंढरी, बेलवा सुल्तानजोत, कटरा शंकर नगर, भीखमपुर, करमहना, रामपुर, मिर्जापुर सहित दर्जनों गांव किनारे नदी तेजी से कटान कर रही है। टेंगनहिया गांव के करीब एक दर्जन घर पिछले वर्ष कटान की भेंट चढ़ गए थे। कटान पीड़ितों को अब तक प्रशासन की ओर से कोई मदद नहीं मिली है। टेंगनहिया निवासी हाफिज बताते हैं कि यदि नदी के कटान का सिलसिला लगातार जारी रहा तो कुछ ही दिनों में दर्जनों हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि व फसलें नदी में समा जाएंगी। राप्ती नदी पर स्थित कोड़री घाट पुल के पास दक्षिणी सिरे पर नदी तेजी से कटान कर रही है। क्षेत्रीय लोगों की मानें तो बरसात शुरू होने पर जिम्मेदारों को कटान की याद आती है। इससे पहले कटान को रोकने का कोई उपाय प्रशासन की ओर से नहीं किया जाता। मंगलवार को हर्रैया थाना क्षेत्र के टेढ़ीप्रास, खैरहनिया व जमघरा आदि पहाड़ी नालों में ऊफान है। हालांकि बाढ़ सोमवार की अपेक्षा मंगलवार को कम रही। महराजगंज तराई व हर्रैया सतघरवा ब्लाक क्षेत्र में दर्जनों हेक्टेयर खरीफ फसलें रेत में दफन हो गई हैं। खैरहनिया गांव में एएनएम सेंटर, पंचायत भवन, लोहिया आवास व आंगनबाड़ी केन्द्र आदि कटान की जद में हैं। नेपाल की पहाड़ियों पर रुक–रुककर हो रही वर्षा का असर तराई व भांभर क्षेत्र में दिख रहा है। हज्जीपुरवा, धामपुर, गोड़टुटवा, अंधरपुरवा, लौकी, शंकरपुर व गिरगिटही आदि गांव कटान की जद में आ गए हैं। अंधरपुरवा निवासी 20 वर्षीय खुर्शीद रविवार शाम तीन बजे पहाड़ी नाले की बाढ़ में लकड़ी निकालते समय बह गया था जिसका अभी तक पता नहीं चला है। सोमवार देर रात से मंगलवार सुबह तक जिले में रुक–रुककर वर्षा होती रही। नगर के तुलसीपार्क, चौक बजार, टेढ़ीबाजार, खलवा, पूरबटोला, कोटिया सहित तमाम मोहल्लों जलभराव की समस्या बनी हुई है। इन मोहल्लों में जल निकाली की समुचित व्यवस्था न होने से लोगों के घरों के आगे बरसात व नाली के गंदे पानी का जमावड़ा बना रहता है। जलभराव होने से लोगों का घरों से निकलना दूभर हो जाता है। मोहल्ला वासियों का कहना है समय–समय पर सफाई न होने से नालियां कूड़े करकट से पटी पड़ी हैं जिस कारण पानी की समुचित निकासी नहीं हो पाती है। मोहल्ला वासियों ने नपाप प्रशासन से समय रहते नालियों की सफाई कराने की मांग की है। हालांकि नपाप अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह का दावा है कि नालों की सफाई का काम चल रहा। नगर में कहीं भी जलभराव की स्थिति नहीं है।

गोवंशों का टीकाकरण व ईयर टैगिंग कराने का निर्देश

संवाददाता–श्रावस्ती। सीडीओ ने गौ–आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गोशाला में सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही संरक्षित शत प्रतिशत गोवंशों का टीकाकरण व ईयर टैगिंग कराने का निर्देश दिया मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह ने मंगलवार को विकास खण्ड हरिहरपुररानी के ग्राम परशुरामपुर में स्थित गौ–आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चन्नी व भूसा व्यवस्था, पानी व प्रकाश व्यवस्था तथा जल निकासी आदि व्यवस्थाओं का जायजा। साथ ही संबंधित अधिकारियों से टीकाकरण व ईयर टैगिंग के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने गोशाला प्रबंधक को निर्देश दिया कि समय से पशुओं का टीकाकरण होता रहे। ताकि पशु बीमार न होने पाए। उन्होंने कहा कि बरसात को देखते हुए पशुओं के लिए छाया, प्रकाश व्यवस्था, चारा–पानी आदि की मुकम्मल व्यवस्था किया जाय तथा उनका शत–प्रतिशत टीकाकरण कराया जाए। यहां से निकल कर उन्होंने उच्च प्राथमिक विद्यालय चितईपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने पंजीकरण के सापेक्ष विद्यालय में छात्र–छात्राओं की शत–प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि स्कूल चलो अभियान के तहत विद्यालय में अधिक से अधिक पंजीकरण कराया जाय।

तहसील में दौड़ा–दौड़ाकर महिला उसके पिता और भाई को पीटा

संवाददाता–महराजगंज। तहसील में जमीन का बैनामा रोकने आई एक महिला और उसके भाई, बुजुर्ग पिता को कुछ लोगों ने दौड़ा–दौड़ाकर पीटा। भीड़ में बचाने के लिए हाथ जोड़कर तीने चीखते रहे, लेकिन उनको बचाने के लिए कोई आगे नहीं आया। तीनों मार से बचने के लिए इधर–उधर भागते रहे। गनीमत रहा कि मौके पर तहसीलदार पहुंच गए और तीनों को बचाकर तहसील कार्यालय के अंदर लेकर चले गए। इसी बीच पुलिस भी पहुंच गई। तीनों पीड़ितों को साथ लेकर थाने चली गई। इस दौरान तहसील परिसर में घंटों अफरातफरी मची रही। पुलिस के साथ थाने पहुंची पीड़िता अपर्णा त्रिपाठी ने पूछताछ में बिलखते हुए बताया उसकी शादी करीब 13 वर्ष पहले हुई थी। उसका एक 11 साल का बेटा है। पति राजेश त्रिपाठी का एक गैर समुदाय की महिला से संबंध है। आरोप है कि पति पुश्तैनी संपति को बेचकर उक्त महिला के साथ इधर–उधर किराये की मकान लेकर रहता है। पति की मनमानी के चलते महज नौ डिस्मिल भूमि बची है। उसे भी बेचने के लिए पति सोमवार को तहसील में पहुंचा था। इसकी भनक लगने पर वह भाई अपर्णश त्रिपाठी, पिता केशवनाथ त्रिपाठी निवासी सिसवा बाजार के साथ तहसील पहुंची थी।

वह जमीन बेचने को लेकर पति से विरोध कर रही थी। इसी बीच कुछ लोग उनसे उलझ गए। विरोध करने पर उन्हें मारने पीटने लगे। इसी बीच पति मौके से भाग निकला। वहीं मुझे मारते देख भाई और पिता ने विरोध जताया तो आक्रोशित लोगों ने उन पर भी ताबड़तोड़ हमला बोल दिया। इतना ही नहीं उन लोगों ने पिटाई के साथ ही उनके साथ दुर्व्यहार भी किया।

भीड़ में उन लोगों से बचने के लिए गुहार लगाती रही, लेकिन वह लोग उनकी कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे। गनीमत रहा की इसी बीच एक साहब आ पहुंचे और उन्होंने किसी तरह से बचाया। वहीं कुछ देर बाद थाने पहुंचे दूसरे पक्ष के लोगों को थाना प्रभारी ने पूछताछ के लिए बैठाना चाहा तो पीस कमेटी की बैठक में पहुंचे एसडीएम ने पिटाई से जख्मी पीड़िता और उसके भाई तथा पिता को दोषी ठहराते हुए उन्हें थाने पर बैठाने और दूसरे पक्ष को थाने से छोड़ने का निर्देश देकर चल दिए। वहीं थाना प्रभारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा की जमीन बेचने की बात को लेकर तहसील में दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। मौके से एक पक्ष को पकड़ लिया गया। उन्हें थाने लाकर पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया।

डॉक्टर्स डे पर छात्रों ने तुलसी पौधा देकर सीएमओ का किया सम्मान

संवाददाता–बलरामपुर। डॉ बिधान चंद्र राय के जन्मदिवस वात्सल्य पब्लिक स्कूल एवं वात्सल्य इंटरनेशनल स्कूल के छात्र–छात्राओं ने सीएमओ डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी को प्रतीक चिन्ह एवं तुलसी का पौधा भेंटकर सम्मानित किया। छात्रों ने मानव मात्र की सेवा एवं लोगों के जीवन को बचाने के लिए सभी चिकित्सकों का आभार जताया।

विद्यालय के बच्चों ने बलरामपुर ब्लड बैंक की डॉ आकांक्षा व हिमांशु तिवारी सहित ब्लड बैंक की टीम को तुलसी का पौधा उपहार स्वरुप उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। ब्लड बैंक टीम ने बच्चों को भी उपहार प्रदान कर छोटी सी उम्र में उनके प्रयास की सराहना की। कक्षा दो की छात्रा सिमरन ने एक गीत व कक्षा 6 की छात्रा माही पांडेय ने एक कविता के माध्यम से डॉक्टर ओ डॉक्टर यू सेव आवर लाइफ सुनाकर आभार व्यक्त किया। सीएमओ ने सभी चिकित्सकों की ओर से वात्सल्य परिवार के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर की प्रधानाचार्या शिखा सिंह, उपप्रधानाचार्य मनीषा सिंह, सोनाली तिवारी, शिवम सिंह, एकेडमिक एडमिन अनुष्का पांडेय, अर्पिता सिंह, आराधना दुबे, प्रीति, उपाध्याय, प्रज्ञा शर्मा, पूजा शर्मा, मानसी गुप्ता, प्रिया, प्रिया शुक्ल, इकरा मुनीर, अनीता शर्मा, शैलजा श्रीवास्तव, प्रीति शुक्ल, अमिता पांडेय, मुस्कान, सुप्रिया, नफीशा, सौम्य आदि मौजूद रहीं।

बारिश के दौरान गिरी कच्ची दीवार, नीचे दबकर दो सगे भाइयों की मौत

संवाददाता–बहराइच। जिले मे सोमवार की रात हुई मूसलाधार बारिश के दौरान एक घर की कच्ची दीवार भरभरा कर ढह गई। जिसकी चपेट में आने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। जानकारी होने मिलने पर एसडीएम भी मौके पर पहुंचे और परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। पयागपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत परसौली त्रिकोलिया निवासी कुसुमा देवी सोमवार की रात परिवार के साथ घर में सो रही थी। इस दौरान देर रात उनके घर की कच्ची दीवार भरभरा कर ढह गई जिसके मलबे में उसके दो बेटे विश्राम (16) और अमन (10) दब गए।

विज्ञापन दीवार गिरने और परिजनों की चीख पुकार सुन इकट्ठा हुए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर मलबे को हटाया लेकिन जब तक दोनो बच्चों को बाहर निकाला जाता, दोनो की मौत हो गई थी। सूचना पर टीम के साथ पहुंचे थाना प्रभारी करुणाकर पांडेय ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। वहीं, सूचना पर एसडीएम दिनेश कुमार भी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। एसडीएम ने बताया की पीड़ित परिजनों की हर संभव मदद की जाएगी।

कटान से टूटकर लटक गई पालीटेक्निक कालेज की बाउंड्री

संवाददाता–श्रावस्ती। पहाड़ी नाले का जलस्तर बढ़ते ही तेजी से कटान शुरू हो गई है। पालीटेक्निक कालेज की बाउंड्रीवाल कटान की जद में है और बाउंड्रीवाल का कुछ हिस्सा मंगलवार को टूटकर लटक गया है। अग ऐसे ही कटान हुई तो बाउंड्रीवाल नाले में समा जाएगा।

सिरसिया थाना क्षेत्र के गब्बापुर स्थित तथागत गौतम बुद्ध राजकीय पालीटेक्निक कालेज भैसाही नाले से सटा हुआ है। पहाड़ों पर तीन दिनों से हो रही बारिश के बाद पहाड़ी नाले का जलस्तर बढ़ गया है और कटान शुरू हो गई है। सोमवार को कटान करते हुए नाला पालीटेक्निक कालेज के पास पहुंच गया था। वहीं मंगलवार को कालेज के बाउंड्रीवाल का कुछ हिस्सा कटान से प्रभावित होकर लटक गया। लेकिन अभी तक कोई भी अधिकारी मौके पर देखने नहीं पहुंचा है। जिस तरह से नाले में कटान हो रही है उससे कालेज पर भी कटान का खतरा मड़राने लगा है। यदि समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो कालेज की बाउंड्री धीरे धीरे कर नाले में समा जाएगी।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया गया संकल्प

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा वन प्रभाग गोंडा रेंज उतरौला की ओर से मंगलवार को राम तीर्थ चौधरी कन्या इंटर कालेज के प्रांगण में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा ने कालेज प्रांगण में वन विभाग के अधिकारियों एवं विद्यालय कर्मचारियों के साथ पौधारोपण किया। विधायक राम प्रताप वर्मा ने कहा कि बिगड़ते पर्यावरण से धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। जिससे मानव जीवन, जीव–जंतु व पेड़ पौधों पर बुरा असर पड़ रहा है। हम सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। जिससे पर्यावरण की सुरक्षा की जा हो सके। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नागरिकों से पौधारोपण करने की अपील की। विधायक ने कहा कि शुद्ध वायु और शुद्ध जल आने वाली पीढ़ियों का अधिकार है। ये तभी संभव है, जब हम पर्यावरण को संरक्षण करेंगे और अधिक से अधिक पौधारोपण करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदूषण को कम कर शहर को हरा भरा बनाएं और ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर उनका संरक्षण करें, ताकि हमारा शहर व जिला हरा भरा रहे। उन्होंने कहा कि वनों की संख्या लगातार कम हो रही है, जिससे धरती के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस मौके पर वन क्षेत्राधिकारी कपिल देव सिंह, वन दारोगा समीर अहमद खान, महेश गुप्ता समेत कालेज के शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रहे।

जहर खुरान गिरोह का शिकार हुआ युवक

संवाददाता–बहराइच। गोंडा– लखनऊ रेल प्रखंड पर जहर खुरान गिरोह सक्रिय है। एक युवक अर्द्ध विक्षिप्त और अर्द्ध नग्न अवस्था में जरवल रोड रेलवे स्टेशन पर मिला, जो कुछ बता नहीं पा रहा है। जहर खुरान गिरोह का शिकार होने की आशंका जताई जा रही है। तलाशी में उसके कपड़े से बुढ़वल से लखनऊ तक का रेलवे टिकट मिला है। लोगों ने उसे मुस्तफाबाद सीएचसी में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया है। जरवलरोड रेलवे स्टेशन पर एक युवक अर्द्ध नग्नावस्था में विक्षिप्त हालत में देखा गया। लोगों ने उसे मुस्तफाबाद सीएचसी पहुंचाया। उसके पास से बुढ़वल से लखनऊ तक का रेल टिकट मिला है।

एचटी लाइन पर गिरे तीन विशाल पेड़, 70 गांवों की बिजली ठप, आवागमन भी प्रभावित

संवाददाता–गोण्डा। बाबागंज–इटियाथोक मार्ग पर स्थित ईश्वरनंद कुट्टी के पास 33 हजार केवीए बिजली लाइन मंगलवार की सुबह तीन विशालकाय आम के पेड़ गिर गये। इससे मेहनौन बिजली उपकेंद्र की बिजली पूरी तरह से ठप हो गई है। वहीं मार्ग से आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। सूचना मिलने पर कर्मचारी लाइन सही करने में जुट गए हैं।

धानेपुर पावरहाउस से मेहनौन विद्युत उपकेंद्र को 33 हजार की लाइन जाती है। पिछले तीन दिनों से रुक रुक कर हो रही बारिश से भूमि दलदली हो गई है ऐसे में तेज हवाओं के साथ बारिश होने से आये दिन पेड़ धराशाई हो रहे हैं। मंगलवार की सुबह ईश्वरनंद कुट्टी के पास मेहनौन को आने वाली 33 हजार केवीए बिजली लाइन पर एक एक कर तीन विशालकाय आम का पेड़ गिर गए। इससे मेहनौन क्षेत्र की बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बाधित हो गई है। जिससे लोग परेशान हैं।बिजली आपूर्ति बाधित होने से इलाके के त्रिभुवन नगर ग्रंट,गनेशपुर ग्रंट ,राजापुर, बहेरकुंआ, बरईपारा, विशुनपुर माफी,पृथ्वीपालगंज ग्रंट, सोमरही,लालपुर, मेहनौन सदाशिव सहित तकरीबन 70 गांवो की बिजली आपूर्ति सुबह से ही बाधित है। वहीं पेड़ गिरने से बाबागंज इटियाथोक मार्ग पर आवागमन भी बंद हो गया है। एसडीओ पीयूष सिंह ने बताया कि बिजली लाइन पर पेड़ गिरने की सूचना मिली है कर्मचारियों को बिजली बहाली के लिए भेजा गया है।

एमडीएम को लेकर सख्त नजर आए बीएसए

संवाददाता–गोण्डा। जिले के परिषदीय स्कूलों में नए सत्र से शुरू हुई पढ़ाई को लेकर नवागत बीएसए अतुल कुमार तिवारी भी नए तेवर में नजर आए। सोमवार को चार्ज लेने के बाद कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर शासन के निर्देश पर शत प्रतिशत काम करने को कहा है। मंगलवार को बीएसए अतुल कुमार तिवारी ने जिला समन्वयक एमडीएम गणेश कुमार गुप्ता को निर्देश देते हुए कहा की गर्मियों की छुट्टी के बाद विद्यालय खुले हैं। विद्यालयों में साफ सफाई तथा छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण भोजन उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

नवागत बीएसए ने कहा कि विद्यालय परिसर की नियमित सफाई कराई जाए। किचेन कम स्टोर को साफ रखा जाए। बीएसए ने कहा कि भोजन बनाने में उपयोग की जाने वाली सामग्रियों और खुली चीजों को अच्छे से धुलकर उपयोग में लाएं। उन्होंने कहा की एमडीएम में इस्तेमाल किए जाने वाले बर्तनों की नियमित सफाई कराए जाने के निर्देश दिए हैं। बीएसए ने जिले के परिषदीय स्कूलों में प्रमुख दीवारों पर दुर्घटना की स्थिति से निपटने के लिए डीएम, एसपी, सीएमओ सहित विभाग के अधिकारियों के नंबर पेंटिंग करके लिखाने को कहा है। एमडीएम समन्वयक गणेश कुमार गुप्ता ने बताया कि मध्यान्ह भोजन नियमित और निर्धारित मेन्यू के अनुसार गुणवत्ता पूर्ण और पौष्टिक बनाया जाए। विद्यालयों में कार्य दिवस के दौरान पकाए गए भोजन का सैंपल जरूर सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक और शिक्षकों को निर्देश देते हुए कहा है कि विद्यालय खुलने के एक घंटे के भीतर भोजन पंजिका रजिस्टर में उपस्थित छात्रों की संख्या भरी जाए। बीएसए ने साफ कहा कि छात्रों के साथ पढ़ाई व्यवस्था हो या फिर एमडीएम कहीं भी लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी।

स्कूल खुलने पर शिक्षकों ने बेटियों का किया स्वागत

संवाददाता–बलरामपुर। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद जयप्रकाश सर्वोदय नारायण राजकीय आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज के पहले दिन स्कूल आने वाली छात्राओं का समाज कल्याण अधिकारी एमपी सिंह ने प्रधानाचार्या आशा मिश्रा के साथ फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। महिला अध्यापिकाओं में बेटियों के माथे पर रोली चंदन लगाकर उन्हें स्कूल में प्रवेश दिलाया।

समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि जयप्रकाश नारायण सर्वोदय राजकीय आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज संचालक का मुख्य उद्देश्य बेटियों को छठवीं से इंटर तक निरूशुल्क आवासीय शिक्षा देना है। ताकि वह आत्मनिर्भर बन सकें और उच्च स्तर की पढ़ाई के लिए आगे बढ़ सकें। उन्होंने नवीन शैक्षिक सत्र में पहले दिन स्कूल आने वाली चार नई छात्राओं को माला पहनकर सम्मानित कर उनका स्वागत किया। विद्यालय प्रधानाचार्या को निर्देशित किया है कि इन बेटियों को मुख्यमंत्री अभ्युदय निरूशुल्क कोचिंग संस्थान के कोऑर्डिनेटर सचिन सिंह सप्ताह में एक दिन सिविल सर्विसेज सहित कैरियर संबंधी मार्गदर्शन देंगे।

कथा के पूर्व श्री सरयू सहस्रनामावली का हुआ विमोचन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। स्वामी श्री संत गोपालाचार्य महाराज अयोध्या के प्रकांड विद्वान थे, उन्हीं के पूर्ण स्मृति में श्री अयोध्या धाम के ऋण मोचन घाट मोहल्ले में स्थित श्री संतगोपाल मंडपम का निर्माण स्वामी कूरेशाचार्य महाराज के संयोजन में और इस संतगोपाल मंडपम में श्री राम के कुल देवता श्री रंगराघव भगवान की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर श्रीमज्ज जगद्ध्गुरू रामानुजाचार्य श्री स्वामी वासुदेवाचार्य ,विद्याभास्कर महाराज द्वारा श्रीमद् भागवत कथा शुभारंभ के पूर्व उनके द्वारा स्वामी संतगोपालाचार्य महाराज द्वारा लिखित श्री सरयू सहस्त्र नामावली को संकलित करके स्वामी कूरेशाचार्य महाराज द्वारा संकट पुस्तक का विमोचन स्वामी वासुदेवाचार्य महाराज ने किया। इसके पूर्व बैकुंठ पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी श्याम नारायण आचार्य, जगतगुरु स्वामी सूर्यनारायणाचार्य, बद्रीनारायण मंदिर के स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज, स्वामी रंगनाथाचार्य महाराज, सत्यनारायण स्वामी महाराज, जगतगुरु रत्नेश प्रपन्नाचार्य, राम कथा कुंज के महंत डॉ रामानंद दास महाराज सहित दर्जनों महापुरुषों ने अपने विचार रखें। इस अवसर पर

कूरेशाचार्य जी महाराज ने बताया कि स्वामी श्री संत गोपालाचार्य जी महाराज अपने पास कुछ भी नहीं रखते थे और उन्होंने ही मुझे शिक्षा दी थी कि किसी से कुछ मांगना नहीं मैं किसी से कुछ नहीं मांगता लेकिन बहुत विघ्न बाधा के बाद उन्हीं के आशीर्वाद से आज श्री महाराज जी को समर्पित यह श्री संतगोपाल मंडपम पूर्णता तो नहीं लेकिन पूर्णता के तरफ अग्रसर है और उन्हीं की कृपा से अयोध्या नाथ मंदिर में जैसे भगवान की विग्रह विराजमान है आज वही विग्रह श्री अयोध्या धाम में आ चुकी है और पूज्य स्वामी वासुदेवाचार्य जी महाराज ने ही नामकरण किया है श्री रंगनाथ भगवान पूज्य स्वामी जी श्री महाराज जी के बहुत निकट थे और यही कारण है कि उनके पूर्ण स्मृति में बना रहे श्री संतगोपाल मंडपम में पहली कथा स्वामी जी कह रहे हैं निश्चित ही हम सभी स्वामी जी के आभारी हैं। कथा का शुभारंभ स्वामी वासुदेवाचार्य जी महाराज ने श्रीमद् भागवत कथा महात्मा का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा सभी का कल्याण करती है चराचर पृथ्वी पर जो भी लोग निवास करते हैं उन सभी के कल्याण के लिए श्रीमद् भागवत कथा ही एक साधन है। 3 जुलाई से प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ होगा जो 8 जुलाई को मां सरयू की पूजा के साथ संपन्न होगा।

रोटावेटर से कटकर किशोर की मौत

संवाददाता–गोण्डा। खोडारे थाना क्षेत्र में धान की रोपाई के लिए खेत में लेवा करते समय हादसा हो गया। इसमें रोटावेटर से कटकर 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। घटना से परिजनों का रो–रोकर हाल बेहाल है। मंगलवार सुबह खोडारे थाना क्षेत्र के अल्लीपुर के सीताराम नगर में धान की रोपाई के लिए ट्रैक्टर रोटावेटर से खेत का लेवा करते समय दर्दनाक हादसा हो गया। इसमे एक 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गयी। घटने से गांव मे कोहराम मच गया है। लोगो के मुताबिक मंगलवार की सुबह करीब 7 बजे अल्लीपुर गांव में सिरमिला देवी अपने धान की रोपाई के लिए खेत का किराए के ट्रैक्टर रोटावेटर से लेवा करवा रही थी इस दौरान खेत मे मौजूद उनका बेटा राज मौर्या 12 वर्ष ट्रैक्टर पर चढ़ रहा था पैर फिसलने से अचानक ट्रैक्टर व रोटावेटर के बीच में गिर पड़ा जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना से परिजनों सहित पूरे गांव में मातम पसर गया। अल्लीपुर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुकेश महतो के मुताबिक सुबह सिरमिला देवी पत्नी स्वर्गीय झीन मौर्या अपने खेत का लेवा किराए के ट्रैक्टर व रोटावेटर से करा रही थी। इस दौरान हुए हादसे मे बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई है। उन्होने बताया कि मृतक की माता सिरमिला देवी द्वारा कानूनी कार्रवाई करने की अभी तक कोई बात नहीं की गई है।

आकाशीय बिजली गिरने से शिशु की मौत

संवाददाता–गोण्डा। क्षेत्र के डुडवा पिपरा चौबे में मंगलवार सुबह संदिग्ध हालात में नवजात शिशु की मृत्यु हो गई। परिजनों व अन्य ग्रामीणों ने आकाशीय बिजली से शिशु की मौत होने की बात कही है। इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को देते हुए उसके शव शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

खरगुपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पिपरा चौबे के मजरा डुडवा के निवासी उमाशंकर का एक माह 20 दिन का बच्चा वीर कुमार अपने मां रामवती के साथ घर में सो रहा था। सुबह करीब 5रू00 बजे बच्चे की मां दूध लाने के लिए उसको सोता छोड़ घर में गई। अचानक आकाशीय बिजली चमकी जिससे बच्चे के मुंह व नाक से खून आ गया और उसका शरीर ढीला पड़ने लगा। मां के लौटने पर ऐसी स्थिति देख अवाक रह गई और रोने चिल्लाने लगी। जिससे परिवार व आसपास के लोग उपस्थित हो गए। उपस्थित लोगों ने इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को दी। जिसके बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार किया। इस संबंध में एसडीएम सदर अवनीश त्रिपाठी ने बताया कि घटना की जानकारी मुझे नहीं है। अगर ऐसा है तो मामले की जांच कर कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

शिविर में मरीजों का हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता–बलरामपुर। रोटरी क्लब बलरामपुर ने डॉक्टर्स डे पर निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। जेडएस ऑर्थोपेडिक क्लीनिक पर चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उन्हें परामर्श दिया। निःशुल्क चिकित्सा शिविर में सर्जन डॉ वाईपी गुप्ता, ऑर्थोपेडिक डॉ आसिफ हुसैन, सर्जन डॉ कौशल्या गुप्ता, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ अलमास हुसैन, नेत्र विशेषज्ञ डॉ आतिफ रहमान डॉ प्रांजल त्रिपाठी, डॉ अजय पांडेय, डॉ महेश वर्मा ने शिविर में आए हुए मरीज का निरूशुल्क चिकित्सीय परीक्षण किया। चिकित्सकों ने मरीजों को परामर्श के बाद दवा भी उपलब्ध कराया।

बारिश होने पर किसानों ने शुरू की धान रोपाई

संवाददाता–श्रावस्ती। मानसूनी बरसात शुरू हो गई है। इससे खेती किसानी में भी तेजी आ गई। डेढ़ माह पहले नर्सरी लगाने वाले किसानों ने बारिश का पानी मिलने पर धान की रोपाई शुरू कर दी है। काफी किसानों की नर्सरी तैयार नहीं है।

सिरसिया विकास क्षेत्र में लगातार तीन दिनों से बारिश हो रही है। इस बीच थारू बाहुल्य गांवों में धान की रोपाई शुरू हो गई है। मंगलवार को भचकाही, मोतीपुर समेत अन्य जनजातीय गांवों में धान की रोपाई होती देखी गई। किसानी के मामले में थारू समुदाय के लोग हमेशा से ही आगे रहते हैं। हर बार मानसून की पहली बारिश से ही उनके यहां धान की रोपाई शुरू हो जाती है। भचकाही गांव निवासी कर्मवीर राना ने बताया कि थारू बाहुल्य गांवों में हरसाल सबस पहले धान की रोपाई होती है। यहां शुरुआती मई महीने में ही धान की नर्सरी डाल दी गई। 44 डिग्री तापमान में नर्सरी तैयार करने में खासा मशक्कत तो करनी पड़ी।

महापौर, नगर आयुक्त ने किया जलभराव का निरीक्षण

संवाददाता–गोरखपुर। महानगर में सोमवार रात से ही हो रही बारिश के बीच जलभराव का जाएजा लेने मंगलवार की सुबह छाता लेकर महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव एवं नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल सड़कों पर निकलें। विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण में खजांची चौराहे पीडब्ल्यूडी द्वारा लगाया गया पंप बंद मिला। नजीतनराफी नगर फेज 4 रेल विहार कॉलोनी की तरफ जल भराव हो रहा था। महापौर ने लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड 3 के अधिशासी अभियंता को इस लापरवाही की कड़ी चेतावनी दी। कहा कि तत्काल पम्प का संचालन शुरू कराएं। मौके पर लगाए गए पम्प की संख्या बढ़ाने या फिर 75 एचपी का पंप तत्काल लगवाने की कड़ी हिदायत दी। उसके बाद गोपलापुर का निरीक्षण करने पहुंचे। गोपलापुर पूर्वी दाऊदपुर में पम्प चलता मिला। लेकिन कॉलोनी की सड़क पर लगा पानी तेजी से नहीं निकल रहा था। सफाई निरीक्षक सुनील मणि त्रिपाठी मौके पर मौजूद मिला। बताया कि पम्प से पानी निकाला जा रहा लेकिन वह आगे नहीं निकल पा रहा। निरीक्षण के उपरांत लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया किया कि गोपालापुर ढाले पर लगे ह्यूम पाइप को तत्काल निकलवाएं। इसके लिए मंगलवार को को ही जेसीबी और पोकलेन लगा कर ह्यूम पाइप निकाल कच्चा नाला बनाने का निर्देश दिया गया। नगर आयुक्त और महापौर ने आर्यन हॉस्पिटल चौराहे से महेवा मंडी तक हाईवे से सटे गलियों में हुए जलभराव को जगह–जगह पंप लगा कर जल निकासी कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियता एनडी पाण्डेय, अवर अभियंता सूरज शर्मा, लोकनिर्माण विभाग के अभियंता, जोनल अधिकारी ओम प्रकाश यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

वही सूचना दें जिसके अभिलेख कार्यालय में उपलब्ध हों, काल्पनिक न दें

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सूचना का अधिकार अधिनियम–2005 के संबध में प्रशिक्षण मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में निदेशक रिटायर्ड सेंटर फार एक्सीलेंस राजेश कुमार मेहतानी ने अफसरों को दिया। उन्होंने बताया कि किसी को भी वही सूचना दें जो कार्यालय अभिलेख में उपलब्ध हो काल्पनिक सूचना न दें।

उन्होंने कहा कि अभिलेखों की प्रमाणित सूचना जन सूचना अधिकारी की ओर से दिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी प्रार्थनापत्र आता है तो उसका पहले परीक्षण करें। वीपीएल श्रेणी के आवेदक को कोई शुल्क देय नहीं है। वह अपने प्रार्थनापत्र को प्रारूप–तीन के रजिस्टर में दर्ज करेंगे। प्राप्त आवेदन की पावती आवेदक को उपलब्ध कराएं। आवेदनकर्ता को रजिस्टर्ड डाक से जवाब भेजा जाए। उप्र सरकार की ओर से सूचना का अधिकार अधिनियम का दुरुपयोग करने पर अधिनियक का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि नियम 4(2) ख के तहत जो सूचना कार्यालय के कार्यों को प्रभावित करती है नहीं दी जा सकती। यदि किसी के कोर्ट ऑर्डर की प्रति, खतौनी का शुल्क जमा कराकर नकल की प्रति दी जाती है। यह सूचना आरटीआई के अन्तर्गत नहीं दी जा सकती है। यदि किसी आवेदक ने किसी अधिकारीध्कर्मचारी के निजता की सूचना मांगता है वह नहीं दी जाएगी। यदि कोई सूचना 500 शब्दों से अधिक है तो वह सूचना नहीं दी जा सकती। यदि आवेदक द्वारा किसी एक विभाग की सूचना मांगी जो आपके कार्यालय से संबधित नहीं है उसे संबधित विभाग को प्रेषित करेंगे। एक से अधिक विभागों की सूचना मांगी गई है तो आवेदक को परामर्श देकर पांच दिनों के अंदर मूल रूप से वापस करेंगे। जब भी सूचना दी जाए प्रारूप–पांच पर ही दी जाए। इस अवसर पर एडीएम उमाशंकर, एसडीएम डॉ. ललित कुमार मिश्र, डीडीओ गोपाल प्रसाद कुशवाहा, वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेन्द्र कुमार मौर्य आदि मौजूद रहे।

डीएम ने लिया सीएचसी बेंवा का जायजा, खामियों पर लगाई फटकार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ.राजागणपति आर ने मंगलवार को डुमरियागंज क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेंवा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में साफ–सफाई व दवाओं का रखरखाव सही न मिलने, डिजिटल एक्सरे मशीन स्टॉल न होने पर कड़ी नाराजगी जताई। वहीं सवालों का अधूरा जवाब देने पर एलटी व फर्मासिस्ट को जमकर फटकार लगाई। डीएम ने जिम्मेदारों को व्यवस्था सुधार करने को लेकर कड़ी चेतावनी दी।

मंगलवार की सुबह करीब 10 बजे डीएम अचानक सीएचसी बेंवा पहुंच गए। अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के साथ ही पीआईसीयू, लेबर रूम, ओपीडी, दवा वितरण कक्ष, इमरजेंसी रूम की गहनता से जांच पड़ताल की। अस्पताल में गंदगी को लेकर अधीक्षक पर बिफर पड़े। एलटी राजेश कुमार से जांच के बारे में पूछने पर अपूर्ण जवाब मिलने पर नाराजगी जताई। दवा स्टाक रजिस्टर मांगने पर फार्मासिस्ट राजू की ओर से उपलब्ध न कराए जाने पर फटकार लगाई। डीएम ने कहा कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भविष्य में ऐसी गलती नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने जिम्मेदारों को व्यवस्था सुधार के लिए कड़ी चेतावनी दी है। वहीं निरीक्षण के दौरान उपस्थिति रजिस्टर देखा। उन्होंने अनुपस्थित मिले कर्मियों का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। इस दौरान एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित, सीएचसी अधीक्षक डॉ.विकास चौधरी, डॉ.राहुल चौधरी आदि मौजूद रहे।

डीएम ने बेंवा सीएचसी के निरीक्षण के दौरान पंजीकरण कक्ष, एक्स–रे कक्ष को भी देखा। एक्स–रे कक्ष में डिजिटल एक्स–रे मशीन स्टॉल न होने पर बिफर पड़े। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी बेंवा को दो दिन के अंदर एक्स–रे मशीन को स्टाल कराने का निर्देश दिया। पैथालॉजी कक्ष में हेल्थ मशीन खराब होने पर नाराजगी जताते हुए सही कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही निर्देश दिया कि कक्ष के बाहर कौन–कौन सी जांच होती है स्पष्ट रूप से उसकी सूची व संबधित लैब टेक्निशियन के मोबाइल नंबर सहित चस्पा कराएं।

डीएम ने वैक्सीन व लेबर रूम, वार्ड, दवा भंडारण कक्ष आदि का निरीक्षण किया। दवा भंडारण कक्ष में दवाएं सही ढंग से न रखे होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने अधीक्षक को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के अन्दर पुनः निरीक्षण करूंगा तब तक दवाएं सुव्यवस्थित रैक में रखी हों व रजिस्टर में भी अंकित होनी चाहिए।

एक साथ उठी तीन मासूमों की अर्थी तो सिसक पड़ा गांव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शहर के बीच से बहे जमुआर नाला में सोमवार शाम दोस्तों संग नहाने गए तीन बच्चे गहरे पानी में जाकर डूब गए थे। इससे उनकी मौत हो गई थी। मौत से तीनों परिवार में कोहराम मच गया था। मंगलवार को एक साथ तीनों की अर्थी उठी तो हजारों की भीड़ सिसक उठी।

शहर के भगत सिंह मोहल्ला निवासी आयुष पांडेय (11) पुत्र अनूप पांडेय, रुद्र (12) पुत्र विनोद कन्नौजिया व आकिब जावेद उर्फ लकी (12) पुत्र सलीम जावेद सोमवार को अधिक उमस होने की वजह से पास से बहने वाले पहाड़ी नाला जमुआर में आठ, दस दोस्तों संग नहाने गए थे। तीनों ने नदी में छलांग लगाई फिर ऊपर नहीं दिखे थे। डूबे बच्चों की तलाश शुरू हुई तो एक.एक कर तीनों मिल गए थे। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने देखते ही तीनों को मृत घोषित कर दिया था। परिजन पोस्टमॉर्टम नहीं चाहते थे इससे लिखापढ़ी कर पुलिस ने शव उन्हें सौंप दिया था। मंगलवार को तीनों की अथी एक साथ उठी तो परिवार के सदस्य जहां दहाड़ें मार कर रोने लगे वहीं मौजूद हजारों की भी अपने आंसू नहीं रोक सकी। आकिब जावेद के शव को फायर स्टेशन के पास मौजूद कब्रिस्तान में ले जाकर सुपुर्द ए खाक किया गया। अंतिम संस्कार में भीड़ मौजूद रही। कुछ ही देर बाद जमुआर नाला के तट पर आयुष पांडेय व रुद्र का भी धार्मिक रीतिरिवाज के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। दोनों मासूमों को अंतिम विदाई देने के लिए भीड़ मौजूद रही।

कटान से बूढ़ी राप्ती नदी में सैकड़ों बीघा खेत विलीन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर,। क्षेत्र के नौखनिया घाट पर मिलने वाली बूढ़ी राप्ती नदी लगातार कटान कर रही है। नदी के कटान से किसानों के सैकड़ों बीघा खेत नदी में विलीन हो चुका है। इससे किसान चिंतित है। नौखनियां घाट पर कूड़ा और बूढ़ी राप्ती नदियों का संगम है। कूड़ा नदी भी कस्बा के पास कटान कर रही थी, जिसे एक वर्ष पूर्व प्रशासन ने कटानरोधी उपाय किया था। बूढ़ी राप्ती नदी का कटान रोकने का अभी तक कोई इंतजाम नहीं हुआ है। इसका कटान जारी है। किसान वेद व्यास मिश्र, गौतम, संत गोपाल, शिव, पवन कुमार का कहना है कि लगातार नदी कटान कर रही है। सैकड़ों बीघा खेत नदी में विलीन हो जा रहा है। उस गंभीर समस्या के प्रति जिम्मेदार उदासीन बने हुए हैं। जिसका खामियाजा किसानों को खेत गवा कर भुगतना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से नदी का कटानरोधी उपाय की मांग की है।

अमित ने ग्रहण की बसपा की सदस्यता, कटेहरी से लड़ेंगे चुनाव

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। कटेहरी विधानसभा के उप चुनाव की आहट के बीच पाला बदल भी होने लगा है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रहे अमित वर्मा जितेंद्र ने अब बसपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। उन्हें सदस्यता बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने दिलाई है। वे कटेहरी विधानसभा की सीट से उपचुनाव में दावेदारी करेंगे।

बहुजन समाज पार्टी की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक यादवनगर के मैरिज हाल में हुई। बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कटेहरी विधानसभा से चुनाव लड़ चुके, कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष रहे अमित वर्मा उर्फ जितेंद्र को व भीटी ब्लॉक से निर्दल चुनाव लडे पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी संदीप जायसवाल के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों को बसपा की सदस्यता दिलाई। इनमें वैभव पांडेय, राजित राम वर्मा, परमानंद शर्मा असगर खान, ध्रुव वर्मा, सतीश वर्मा, राजीव वर्मा, विजय वर्मा, रीता प्रधान, विपुल वर्मा, संतोष जायसवाल, रामदुलार वर्मा, डॉ. अकील अंसारी शामिल रहे। बैठक में विश्वनाथ पाल ने कहा कि कटेहरी विधानसभा की सीट बहुजन समाज पार्टी की परंपरागत सीट रही है, आने वाले उपचुनाव में रिकॉर्ड मतों से बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती जिस किसी को टिकट देकर प्रत्याशी बनाएगी वह प्रत्याशी रिकार्ड मतों से विजई होगा। बैठक की अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट मंत्री धर्मवीर सिंह अशोक ने किया। पूर्व एमएलसी मंडल प्रभारी डॉ. विजय प्रताप ने जिला एवं विधानसभा कमेटी की समीक्षा करते हुए सिथिल पदाधिकारी के स्थान पर नए पदाधिकारी का गठन सर्वसम्मत से किया। बैठक में सेक्टर प्रभारी दिलीप कुमार विमल, महेंद्र प्रताप आनंद, बलराम निषाद, रवि प्रकाश मौर्य, पूर्व जिलाध्यक्ष जिला प्रभारी अरविंद गौतम, दयाराम राजभर, अकरम, रोहित प्रजापति, जिला पंचायत सदस्य रामसुभावन भारती, रामनयन निर्दोष उपस्थिति रहे।

डुमरियागंज में राजस्व विभाग की ओर से लगेंगे 27 हजार पौधे

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। राजस्व विभाग की ओर से वन सप्ताह के तहत डुमरियागंज क्षेत्र में 27 हजार पौधे लगाए जाएंगे। मंगलवार को तहसील परिसर में एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित ने तहसीलदार डॉ. संतराज सिंह व राजस्व कर्मियों के साथ तहसील परिसर में पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान एसडीएम ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। डुमरियागंज तहसील परिसर के विभिन्न प्रजातियों के पांच पौधे लगाए गए। एसडीएम ने कहा कि सभी को पर्यावरण की रक्षा के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। आज ग्लोबल वॉर्मिंग भारत ही नहीं पूरे विश्व की समस्या है। पौधरोपण अभियान लोगों को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का अहसास करने के लिए चलाया जाता है। जिससे अधिक से अधिक लोग पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें व पर्यावरण की रक्षा के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाएं। तहसीलदार ने कहा कि आज लोगों को पर्यावरण की वास्तविक स्थिति को समझने की जरूरत है। आज प्रदूषण व ग्लोबल वार्मिंग के कारण पर्यावरण की स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। बेहतर भविष्य व पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्तर से प्रयास करने चाहिए। इस दौरान राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

दो बच्चों की हुई सर्जरी, पांच की कास्टिंग

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सयुंक्त जिला चिकित्सालय में क्लब फुट क्लीनिक में मंगलवार को सात टेढ़े–मेढ़े पंजे वाले बच्चों का निःशुल्क इलाज हुआ। इसमें पांच की कास्टिंग की गई, वहीं दो बच्चों की सर्जरी की हुई।

क्लब फुट क्लीनिक अनुष्का फाउंडेशन संस्था के सहयोग से संचालित है। जिसमें बच्चों के पैरों की कास्टिंग टेक्नीशियन सूबेदार पांडेय ने किया। कास्टिंग दो नए और तीन पुराने बच्चों की हुई। वहीं सफल सर्जरी आर्थोपेडिक सर्जन डा. पुरेंद्र ने किया। बच्चों को आरबीएसके टीम ने अथवा सीएचसी से चिन्हित कर जिला चिकित्सालय संदर्भित किया गया था। काउंसलिंग के दौरान बताया गया कि दो वर्ष से छोटे बच्चे जो क्लब फुट (टेढ़े मेढ़े पंजे) से पीड़ित हैं, वे जिला चिकित्सालय में निःशुल्क इलाज करा सकते हैं। क्लब फुट का यदि सही समय पर इलाज न कराया गया तो वह दिव्यांगता का रूप ले लेता है। संस्था की अंजली राव ने बताया कि इसकी पहचान जन्म के समय कर लिया जाये तो क्लब फुट जैसी कई अन्य जन्मजात बीमारियों का न सिर्फ इलाज संभव है बल्कि शिशु मृत्युदर और दिव्यांगता में कमी लाई जा सकती है। डीईआईसी मैनेजर सुनील वर्मा ने बताया कि संस्था के सहयोग इस वर्ष ऐसे 55 बच्चों को लाभान्वित किया जा चुका है।

बांध के रेनकट व गैप को भर लें जिम्मेदार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ.राजागणपति आर ने मंगलवार को भनवापुर ब्लॉक के गागापुर व बिजौरा गांव के पास से गुजरे राप्ती नदी के बांध का निरीक्षण किया। उन्होंने बांध की स्थिति को देखा और जिम्मेदारों को जल्द से जल्द बोल्डिंग के कार्य पूर्ण कर बांध के रेनकट व गैप का भर लेने के लिए निर्देशित किया। डीएम ने कि बांध को सुरक्षित करने की दिशा में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान डीएम सबसे पहले गागापुर गांव पहुंचे। यहां पर उन्होंने बांध पर हो रहे बोल्डिंग के कार्य का जायजा लिया और सिंचाई विभाग के अधिकारियों से कार्यपूर्ति की जानकारी ली। इसके बाद डीएम बिजौरा और जूड़ीकुइयां के बीच अधूरे पड़े बांध के बारे में जानकारी हासिल की। मौके पर मौजूद अफसरों ने बताया कि काश्तकारों से जमीन न मिल पाने से समस्या हो रही है। बिशुनपुर औरंगाबाद के लोग भी विरोध कर रहे हैं। उन लोगों का कहना है कि बांध नदी के किनारे से होकर बनाया जाए। इस पर डीएम ने कहा कि काश्तकारों व ग्रामीणों से बात कर लें, जिसमें सभी राजी हों उसी अनुसार जल्द से जल्द अधूरे पड़े बांध के गैप का निर्माण शुरू कर दें ताकि बाढ़ से सभी सुरक्षित हो सकें। डीएम ने जिम्मेदारों को जल्द से जल्द बोल्डिंग के कार्य को पूर्ण कर बांध के रेनकट गैप भरवाने के लिए भी निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि बांधों को सुरक्षित करने की दिशा में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इस मौके पर एसडीएम डॉ.संजीव दीक्षित, सिंचाई विभाग के एक्सईएन सतीश कुमार, एई अशोक कुमार भारती, जेई नागेन्द्र कुमार, लेखापाल सौरभ तिवारी, प्रवीण अग्रहरि, रामफेर यादव, देवेन्द्र पाण्डेय, बब्लू खान, सत्य प्रकाश शुक्ल आदि मौजूद रहे।

जिम्मेदारियों का सही से करें निर्वहन, नहीं तो होगी कार्रवाई

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सीएचसी सिरसिया में अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा की अध्यक्षता में मंगलवार को ब्लॉक के अंतर्गत कार्यरत सीएचओ के कार्यों की समीक्षा हुई। अधीक्षक ने कहा कि सभी अपने जिम्मेदारियों का सही ढंग से निर्वहन करें, नहीं तो सख्त कार्रवाई होगी।

अधिक्षक ने कहा कि सभी सीएचओ सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक आरोग्य मंदिर पर ई संजीवनी एवं ओपीडी आदि कार्य करना सुनिश्चित करें। क्षय रोग, स्तन कैंसर, उच्च रक्तचाप, बच्चेदानी के कैंसर व मधुमेह आदि बीमारियों का प्रारंभिक अवस्था में चिन्हीकारण करते हुए दवाओं की व्यवस्था करवाना सुनिश्चित करें। यदि किसी सीएचओ की ओर से कार्य में शिथिलता पाई गई तो उस पर सख्त कार्रवाई होगी। इस दौरान बीसीपीएम मेराज अहमद, सूरज प्रकाश वर्मा, अंजलि पाल, आशा, शिवांगी, शेफाली त्रिपाठी, बिंदु देवी आदि मौजूद रहीं।

रेप का 15 हजार इनामिया आरोपी गिरफ्तार

डुमरियागंज पुलिस ने रेप के एक 15 हजार रुपये के इनामिया आरोपी को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। केस दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रहा था। प्रशासन ने उसपर इनाम घोषित कर रखा था। थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश कुमार यादव ने बताया कि ,बरकतुल्लाह पुत्र अहमदुल्लाह निवासी कुर्थीडीहा थाना डुमरियागंज के खिलाफ धारा 376,506 के तहत केस दर्ज था। वह फरार चल रहा था। आरोपी को मंगलवार को सोनहटी तिराहे से गिरफ्तार किया गया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत चन्द्रभानपुर विकास खण्ड-रूधौली, जनपद-बस्ती

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **चन्द्रभानपुर** विकासखंड **रूधौली** द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना/ 15 वीं वित्त/स्वच्छ भारत मिशन/ SLWM/RGSA योजना अंतर्गत 2024–25 में स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (इंटरलॉकिंग इंट, प्रथम श्रेणी इंट, सीमेंट, सादा बालू, मोरंग, इंट की गिट्टी, पत्थर की गिले, छाड पेट, बोर्ड लीम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, सफाई ठेला कुदाल, झाड़ू, ब्लीचिंग पावडर चूना, कूड़ादान, सेनेटाइजर मशीन, फागिंग मशीन, इंडिया मार्का टू हैंड पंप, रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 03–07–2024 से दिनांक 08–07–2024 को 01:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फॉर्म वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **चन्द्रभानपुर** में रखे गए निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। निविदा दिनांक 08–07–2024 को अपरान्ह 2:00 बजे निविदा दाताओं के समक्ष खोला जाएगा।

नियम व शर्तें

1– अधिकृत फर्म अधिकृत डीलर का जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 3 वर्ष कर आयकर क्लीयरेंस सलग्न करना अनिवार्य है।

2– जो दरें प्रस्तुत की जाए व जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर प्रस्तुत की जाए।

3–आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2 फीसदी आयकर टीडीएस देना होगा। प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा पीडब्ल्यूडी के समय अनुसार तय दर पर ही भुगतान किया जाएगा।

5– ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान/अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं कि जाएगी।

6– घरोहर की धनराशि मु. 5000 (पांच हजार) है।

7– धरोहर की राशि राष्ट्रीय कृत बैंकों एडीआर एन एससी/नगर एवं डाकघर में बचत पत्र जो ग्राम पंचायत **चन्द्रभानपुर** के नाम बंधक हो, की मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

8– निविदा स्वीकृत होने के उपरांत सचिव एवं ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी।

9– आदेश देने के 7 दिनों के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जायेगी।

10– सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।

11– सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटायी या बढ़ाई जा सकती है।

12– आपूर्ति कर्ता को भुगतान अवर अभियंता (ग्रा.अभि.वि.)/तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुढ़वत्ता प्रामाणित होने पर तथा मापन के उपरांत किया जाएगा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।

13– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 है, पर ही स्वीकार किया जाएगा ।

14– निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निधारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है ।

15– निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।

16– निविदा के सबंध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

नसीबुन्निशा
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत–चन्द्रभानपुर
विकास खण्ड–रूधौली जनपद बस्ती

अशोक कुमार
सचिव
ग्राम पंचायत–चन्द्रभानपुर
विकास खण्ड–रूधौली जनपद बस्ती

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0– 210/20222

भगवानदीन

बनाम

बाबूलाल आदि

1. बाबूलाल उम्र 36 वर्ष पुत्र छोटई 2. पूरई उम्र 29 वर्ष पुत्र गमन 3. बेचू उम्र 56 वर्ष पुत्र धमई 4. सहती उम्र 51 वर्ष पुत्र ऋषि साकिनान मसहा तप्पा मनवरपारा परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–08–2024

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 07 माह 08 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष 2020 अनुक्रमांक 2821496 एवं इण्टर मीडिएट वर्ष 2022 अनुक्रमांक 2227025935 का अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(महेन्द्र सोनकर)
पुत्र श्री मनोज कुमार सोनकर
ग्राम– तेनुआ पोस्ट– वाल्टरगंज
जनपद– बस्ती ।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

सिविल प्रकीर्ण अपील सं0–09/2024

अदालत– श्रीमान जनपद न्यायाधीश महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सीमा श्रीवास्तव आदि

बनाम

ज्ञान प्रकाश उर्फ रिंकू श्रीवास्तव

बनाम–1. ज्ञान प्रकाश उर्फ रिंकू श्रीवास्तव उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र स्व0 सुरेन्द्रनाथ श्रीवास्तव निवासी ग्राम/मोहल्ला रौतापार तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती पो0 गांधीनगर जनपद–बस्ती 272001

तारीख पेशी 23–07–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 23 महीना 07 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी अवधेश प्रताप सिंह पुत्र श्री दुःखहरन सिंह पुराना डाकखाना निकट दीवानी कचहरी जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरा एम.ए.टी. विश्वविद्यालय लखनऊ से निर्गत वर्ष **2009** के तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर अनुक्रमांक LK 91071008 का अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

वाद सं0 534/2022

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद जिला–बस्ती

श्रीमती अमर जहाँ

बनाम

श्रीमती फहमिदा खातून आदि

1. श्रीमती फहमिदा खातून पत्नी जफरूद्दीन पुत्री हकीमुल्लाह निवासी साकिन कम्हरिया तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती हाल मुकाम चेईकला पो0 धौरहरा जिला–संतकबीरनगर 2. हकीकुल्लाह पुत्र स्व0 कासिम अली निवासी साकिन कम्हरिया तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 04–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

महिला आयोग में हुई शिकायत मामले में आज दर्ज होगा बयान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जोगिया ब्लॉक क्षेत्र के आयुष्मान आरोग्य मंदिर करौंदा मसिना में तैनात सीएचओ शारदा कुमारी ने ब्लॉक सीएचसी के बीपीएम अनस अंसारी के विरुद्ध राज्य महिला आयोग में शिकायत की है। उस शिकायत का आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग के निर्देश पर अधीक्षक डॉ. आरजी सिंह ने दोनों कर्मियों को बयान के लिए तीन जुलाई को सीएचसी पर तलब किया है।

सीएचओ शारदा कुमारी ने राज्य महिला आयोग में भेजे शिकायत में बीपीएम के विरुद्ध कई बिंदुओं पर आरोप लगाया है। सीएचओ ने मानसिक उत्पीड़न सहित कई आरोप लगाए है। इस मामले में जिलाधिकारी ने 23 जून को स्वास्थ्य विभाग को पत्र भेजा है। जिलाधिकारी का पत्र मिलने के बाद अधीक्षक डॉ. आरजी सिंह ने दोनों कर्मियों को तीन जुलाई को बयान के लिए साक्ष्यों सहित सीएचसी जोगिया के अधीक्षक कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। अधीक्षक ने बताया कि दोनों कर्मियों का बयान लेने के बाद उच्चाधिकारियों को साक्ष्य सहित रिपोर्ट भेज दी जाएगी। दोनों कर्मियों का समय से उपस्थित होना अनिवार्य है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही क्षम्य नहीं है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com